साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 15 जून से 21 जून 2026
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 02 अंक : 15 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 04 में...
पांच नए मेडिकल कालेज को एनएमसी की मंजूरी नहीं

पेज 12 में...
छत्तीसगढ़ ने अंतिम दिन 4 पदक जीते

पेज 06 परमाणु हथियार नहीं बनाने पर ईरान राजी

बिल्डर बेख़ौफ़, रेरा खामोश...

रायपुर की सोसायटियों में बिल्डरों का वर्चस्व; कानून को ठेंगा दिखा आम आदमी का आशियाना चढ़ा मुनाफाखोरी की भेंट

- अविनाश ने किया सत्यानाश, आनंदम ने छीना सुख और चैन
- बिल्डरों ने किया खेल; आशियाना दांव पर
- बिक चुके प्रोजेक्ट पर भी बैंक से ले रहे लोन
- बिना भौतिक सत्यापन के बैंक ने दिया क्लब हाउस के बदले कर्ज
- बिल्डर मौजूदा सोसायटियों की संपत्ति को रख रहे हैं गिरवी

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

जिंदगी भर तिनका-तिनका जोड़कर अपने आशियाने का ख्वाब संजोने वाले आमजन अब बेज़ार हैं। राजधानी रायपुर के पॉश इलाकों में स्थित बिल्डरों द्वारा डेवलप की गई सोसायटियों में रहने वाले सैकड़ों परिवार इन दिनों एक ऐसी कानूनी और आर्थिक लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसे उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था। सिंगापुर सिटी, मारुति लाइफस्टाइल और आनंदम जैसी नामी सोसायटियों के निवासियों का कहना है कि उन्होंने बिल्डरों से घर खरीदते समय जो सपने देखे थे, वे अब दुस्वप्न में बदल चुके हैं।

सुविधाओं के नाम पर दर दर भटक रहे खरीदार

निवासियों का दर्द यह है कि बिल्डर नई परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाने के वास्ते पुराने प्रोजेक्ट्स पर लगातार कर्ज ले रहे हैं, जबकि वे अपने पुराने और वादे के मुताबिक प्रोजेक्ट्स में बुनियादी सुविधाएं देने में भी पूरी तरह नाकाम रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि वे तिल-तिल कर घुट रहे हैं, क्योंकि करोड़ों रुपये लगाने के बाद भी बिल्डर न तो उनकी कोई शिकायत सुन रहे हैं और न ही उन्हें उनका पूरा कानूनी हक दे रहे हैं।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में बिल्डरों की मनमानी का एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। आवास परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर वित्तीय धांधली का आरोप लगाते हुए रहवासियों ने दावा किया है कि बिल्डर प्रोजेक्ट की जमीन और मकान बेचने के बाद भी उसी प्रोजेक्ट के नाम पर बैंकों से भारी-भरकम लोन ले रहे हैं।

बिक चुके प्रोजेक्ट पर 'कर्ज का खेल' क्या बैंकों से मिलीभगत है?

शहर की बड़ी-बड़ी सोसायटियों में निवासरत लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बिल्डर पहले पूरी कॉलोनी को डेवलप करते हैं, उसके सारे प्लॉट या फ्लैट आम जनता को बेच देते हैं। इसके बाद, जब संपत्ति का सारा कानूनी मालिकाना हक तकनीकी और व्यावहारिक रूप से निवासियों के पास चला जाता है, तब भी बिल्डर का 'कर्ज का खेल' बंद नहीं होता। बिल्डर उसी प्रोजेक्ट के गार्डन, कॉमन एरिया और क्लब हाउस की जमीन को बैंकों को दिखाकर फिर से भारी-भरकम लोन उठा लेते हैं।

जबकि कानूनी तौर पर नियम बेहद स्पष्ट हैं—जब कोई जमीन या आवासीय प्रोजेक्ट पूरी तरह बेच दिया जाता है, तो उस संपत्ति पर से बिल्डर का मालिकाना हक स्वतः ही समाप्त हो जाता है। इसके बावजूद, बिल्डर्स सोसायटियों को गार्डन और क्लब हाउस का वैध अधिकार दिए बिना ही अधूरा हैंडओवर कर रहे हैं। नतीजा यह हो रहा है कि जिन मूलभूत सुविधाओं का लालच देकर खरीदारों को फ्लैट या मकान बेचे गए थे, वे सुविधाएं निवासियों को मिल ही नहीं पा रही हैं।

बैंकों की कार्यप्रणाली पर भी कई बड़े सवाल

क्या बैंक अधिकारी बिना किसी भौतिक सत्यापन (Physical Verification) के ही दफ्तर में बैठकर करोड़ों रुपये का लोन पास कर रहे हैं? क्या बिल्डर अपने नए और अन्य कमर्शियल प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए मौजूदा सोसायटियों की जनता की संपत्ति को अवैध रूप से गिरवी रख रहे हैं?

क्लब हाउस और कॉमन एरिया पर बिल्डर का 'कब्जा'

इन वीआईपी सोसायटियों के निवासियों का मुख्य आरोप है कि सोसायटी का हैंडओवर (कागजों पर) होने के बरसों बाद भी बिल्डर ने क्लब हाउस और कॉमन एरिया को निवासियों की आरडब्ल्यूए (रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) के सुपुर्द नहीं किया है। स्थिति यह हो चुकी है कि जो स्थान विशेष रूप से सोसायटियों के बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों के सामाजिक उपयोग के लिए बनाया गया था, वहां अब बिल्डर खुद होटल, रेस्टोरेंट और बार जैसी व्यावसायिक गतिविधियां धड़ल्ले से संचालित कर रहे हैं। एक पीड़ित रहवासी के अनुसार, बिल्डर इसे अपनी 'निजी संपत्ति' बताकर इसका अंधाधुंध व्यावसायिक उपयोग कर रहा है। हद तो तब हो गई जब 'मेक माई ट्रिप' जैसे ऑनलाइन बुकिंग ऐप्स के माध्यम से बाहर के अज्ञात लोगों को इन क्लब हाउसों में ठहराया जा रहा है, जिससे कॉलोनी की सुरक्षा पूरी तरह खतरे में पड़ गई है। विडंबना देखिए कि कॉलोनी के निवासियों से मेंटेनेंस के नाम पर हर महीने मोटी रकम वसूली जाती है, लेकिन उस फंड का उपयोग बिल्डर अपने ही व्यावसायिक होटल और रेस्टोरेंट के लाभ के लिए कर रहा है।

रेरा में पीड़ितों की अनदेखी, बिल्डरों का 'सुरक्षा कवच'?

इस पूरी कहानी का सबसे चौंकाने वाला और चिंताजनक पहलू छत्तीसगढ़ रेरा (RERA) की भूमिका को लेकर है। जिन नियमों को उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए बनाया गया था, आज वही बेअसर साबित हो रहे हैं। निवासियों का कहना है कि जब उन्होंने न्याय की अंतिम आस लेकर छत्तीसगढ़ रेरा का दरवाजा खटखटाया, तो उन्हें वहां से भी भारी मायूसी और झटका लगा।

विपरीत आदेश

मारुति लाइफस्टाइल के पीड़ितों का सीधा आरोप है कि रेरा ने डिफॉल्टर बिल्डरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय, शिकायत करने वाले प्रताड़ित निवासियों के खिलाफ ही आदेश पारित कर दिए। इसके कारण थक-हारकर निवासियों को ट्रिब्यूनल की शरण में जाना पड़ा।

कागजी जीत

सिंगापुर सिटी के रहवासियों का कहना है कि उन्होंने बिल्डर के खिलाफ रेरा में लंबा केस लड़ा और कानूनी जीत भी हासिल की, लेकिन आज तक उस आदेश और नियमों का जमीनी स्तर पर कोई क्रियान्वयन नहीं हुआ है।

आक्रोश

पीड़ित रहवासियों का मानना है कि रेरा अब एक 'डिफॉल्टर संस्था' की तरह मूकदर्शक बनकर काम कर रही है, जो बिल्डरों की मनमानी पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रही है। रेरा और बिल्डरों के बीच की यह प्रशासनिक 'जुगलबंदी' आम आदमी के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है।

मेंटेनेंस के नाम पर अवैध वसूली और 'कचरा' घोटाला

सोसायटियों की बदहाली और बिल्डरों की तानाशाही का आलम यह है कि वे कॉलोनी के हर कोने से अनुचित लाभ कमाने की जुगत में रहते हैं। मारुति लाइफस्टाइल के निवासियों ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि कॉलोनी के भीतर कचरा प्रबंधन (कचरा नष्ट करने) के लिए एक महंगी मशीन लगाई गई थी। बिल्डर ने नियमों को ताक पर रखकर उस मशीन तक को उखाड़कर फेंक दिया और उस कीमती जगह को भी किसी अन्य पार्टी को बेच दिया। इस पूरे खेल की विडंबना देखिए—मशीन हटने के बाद नगर निगम द्वारा बाहर कचरा फेंकने को लेकर सोसायटियों पर पेनल्टी (जर्माना) लगाई जा रही है।

अब इसी पेनल्टी का बहाना बनाकर बिल्डर ने निवासियों को कई कानूनी नोटिस भेजकर लाखों रुपये की अवैध वसूली शुरू कर दी है।

बिल्डर बने 'बिग बॉस': आवाज आती है, दर्शन दुर्लभ!

सोसायटी हैंडओवर करते समय बिल्डरों ने निवासियों से वादा किया था कि वे 50 लाख रुपये का 'सिंकिंग फंड' निवासियों की समिति को सौंपेंगे, लेकिन साल 2018 के बाद भी वह फंड या उसकी सुविधाएं पूरी तरह नदारद हैं।

रहवासियों का कहना है कि पहले चरण में जब वे अपनी जीवनभर की कमाई लेकर मकान खरीदने गए थे, तब बिल्डर का व्यवहार और उनकी भाषा बहुत 'मधुर' थी। लेकिन जैसे ही उन्हें पूरे पैसे मिल गए और लोगों ने लाखों रुपये निवेश कर दिए, बिल्डरों की असलियत सामने आ गई। अब निवासियों की स्थिति अपने ही घर में किराएदारों या बेगानों जैसी हो गई है। वे कहते हैं कि "बिल्डर की आवाज तो सुनाई देती है, लेकिन दर्शन कभी नहीं होते"—बिल्कुल किसी टेलीविजन शो के 'बिग बॉस' की तरह, जहां वे अपनी मर्जी की तानाशाही चलाते हैं और जनता की बात सुनने वाला कोई नहीं है।

'शहर सत्ता' के सुलगते सवाल

1. क्या छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार रेरा (RERA) जैसी संस्थाओं की इस संदिग्ध कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय जांच कराएगी?
2. क्या उन बैंक अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज होगी जिन्होंने बिना फिजिकल वेरिफिकेशन के बिक चुके प्रोजेक्ट्स पर दोबारा करोड़ों का लोन जारी कर दिया?
3. क्या रसूखदार बिल्डरों के इस 'मायाजाल' को तोड़कर पीड़ित जनता को उनका खोया हुआ सुख और चैन वापस मिलेगा?

आर-पार की लड़ाई: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार से गुहार

अब रायपुर की अलग-अलग सोसायटियों के प्रबुद्ध नागरिक और पीड़ित रहवासी पूरी तरह एकजुट हो चुके हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि बिल्डरों की यह खुली दलाली, तानाशाही और प्रशासन की रहस्यमयी चुप्पी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रहवासियों ने अपनी सामूहिक आवाज को सीधे सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी सरकार तक पहुंचाने का शंखनाद कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि रियल एस्टेट के नाम पर आम लोगों की गाढ़ी कमाई लूटने वालों और बैंकों के साथ मिलकर की जा रही इस जालसाजी पर तुरंत कड़ा एक्शन नहीं लिया गया, तो रायपुर के हजारों परिवारों का अपने आशियाने का सपना हमेशा के लिए चकनाचूर हो जाएगा।

कागजों पर 'प्रोजेक्ट कंप्लीट', जमीन पर हक नदारद; 98% सोसायटियों से खुली धोखाधड़ी!

बड़ा सवाल: आंखें मूंदकर क्यों बांटे गए सर्टिफिकेट?

जब प्रोजेक्ट 100% कंप्लीट ही नहीं हुआ और मूलभूत संपत्तियां निवासियों को सौंपी ही नहीं गईं, तो रेरा ने आंखें मूंदकर बिल्डरों को 'कंप्लीशन सर्टिफिकेट' कैसे जारी कर दिया? क्या रेरा के अधिकारी बिना किसी जमीनी जांच के, केवल दफ्तरों में बैठकर फाइलों पर दस्तखत कर रहे हैं? इसी कानूनी लूपहोल (खामी) का फायदा उठाकर बिल्डर इन क्लब हाउसों को गिरवी रखकर बैंकों से करोड़ों का लोन उठा रहे हैं और आम जनता ठगी खड़ी है।

छत्तीसगढ़ रेरा (RERA) के नियम और कानून जितने सख्त किताबों में दिखते हैं, जमीनी हकीकत में वे उतने ही बौने साबित हो रहे हैं। 'शहर सत्ता' की पड़ताल में रेरा की कार्यप्रणाली और बिल्डरों की जुगलबंदी का सबसे बड़ा विरोधाभास सामने आया है।

क्या है रेरा का '90 दिनों का अनिवार्य नियम'?

रेरा एक्ट के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के मुताबिक, जब किसी भी आवासीय प्रोजेक्ट को 'कंप्लीशन सर्टिफिकेट' (Completion Certificate) जारी किया जाता है, तो उसके ठीक 90 दिनों के भीतर बिल्डर को उस कॉलोनी की सभी मूलभूत सुविधाएं—जैसे गार्डन, क्लब हाउस, सड़कें और कॉमन एरिया—वहां की रजिस्टर्ड रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (RWA/सोसायटी) को पूरी तरह कानूनी रूप से हैंडओवर करना अनिवार्य है।

रायपुर का कड़वा सच: आंकड़ों की बाजीगरी

सिर्फ 1 से 2 प्रतिशत को मिला हक: राजधानी रायपुर में रेरा द्वारा जितने भी प्रोजेक्ट्स को 'कम्पलीट' घोषित कर सर्टिफिकेट बांट दिए गए हैं, उनमें से महज 1 से 2% कालोनियों की सोसायटियों को ही गार्डन और क्लब हाउस का वास्तविक व पूर्ण हैंडओवर मिला है। बाकी 98% सोसायटियों में बिल्डरों ने कंप्लीशन सर्टिफिकेट तो हासिल कर लिया और अपना पल्ला झाड़ लिया, लेकिन सालों बीत जाने के बाद भी गार्डन और क्लब हाउस को सोसायटियों के सुपुर्द नहीं किया।

छग वक्फ बोर्ड अध्यक्ष का WhatsApp हैक

साइबर ठग ने 4-5 परिचितों से ठगे पैसे, डॉ. सलीम राज ने थाने में की शिकायत, बोले-मैसेज फर्जी

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया है। साइबर ठग उनके नाम और पहचान का इस्तेमाल कर परिचितों को मैसेज भेज रहा है और पैसों की मांग कर रहा है। ठग ने मैसेज भेजकर करीब 4 से 5 लोगों से पैसे भी ले लिए हैं। इस मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। वहीं, मामले की जानकारी मिलने के बाद डॉ. सलीम राज ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि उनके व्हाट्सएप अकाउंट का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। इसलिए उनके नाम से अगर कोई पैसे या आर्थिक मदद मांगने वाला मैसेज भेजे, तो उस पर भरोसा न करें। और न ही किसी तरह का कोई भुगतान करें।

परिचितों को भेजे जा रहे पैसों की मांग वाले मैसेज

जानकारी के अनुसार अज्ञात साइबर ठग ने डॉ. सलीम राज का व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर लिया है। इसके बाद उनके संपर्क में मौजूद लोगों को मैसेज भेजकर पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा जा रहा है। आशंका है कि ठग उनके परिचितों को भरोसे में लेकर ठगी की कोशिश कर रहा है। साइबर ठग ने डॉ. सलीम राज के व्हाट्सएप अकाउंट से परिचित को मैसेज भेजा है। मैसेज में लिखा है, हैलो..एक छोटी सी हेल्प चाहिए...मेरा यूपीआई काम नहीं कर रहा है..अर्जेंट है प्लीज...56 हजार रुपए ऑनलाइन जरूरत है।

डॉ. सलीम राज ने जारी की अपील

व्हाट्सएप अकाउंट हैक होने के बाद डॉ. सलीम राज ने लोगों के लिए एक सार्वजनिक संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि 'प्रिय साथियों, मेरा व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया है और मेरे नाम से कुछ लोगों से रुपए की मांग की जा रही है। कृपया ऐसे किसी भी संदेश या अनुरोध पर विश्वास न करें और कोई भुगतान न करें। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।'

लोगों से सतर्क रहने की अपील

डॉ. सलीम राज ने अपने परिचितों, सामाजिक संगठनों और आम लोगों से अपील की है कि यदि उनके नाम से किसी भी प्रकार का आर्थिक लेन-देन या पैसों की मांग वाला संदेश प्राप्त हो तो उसकी पुष्टि किए बिना कोई भुगतान न करें। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में अनजान लिंक पर क्लिक करने, ओटीपी साझा करने और संदिग्ध संदेशों का जवाब देने से बचना चाहिए। साथ ही संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साइबर सेल या पुलिस को देनी चाहिए।

बस ओनर्स फेडरेशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ को सीएम साय ने दिया आश्वासन

शहरसत्ता/रायपुर। समस्त बस एवं कार टैक्सी संचालकों के लिए बस ओनर्स फेडरेशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के द्वारा परिवहन से संबंधित एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम कल शाम 4 बजे से होटल बेबीलोन में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में एवं पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में परिवहन मंत्री केदार कश्यप एवं रायपुर शहर महापौर श्रीमती मीनल चौबे संघ के संरक्षक व नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस आयोजन में बी.ओ.सी.आई. के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ,रायपुर पुलिस कमिश्नर छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर एवं वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहेंगे साथ ही तमाम परिवहन उद्योगों से जुड़े औद्योगीक एवं व्यापारिक संस्थानों के स्टॉल भी सभी की जानकारी के लिए लगाएगए थे। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4 बजे की गई, जिसमें व्यापार से जुड़े मुद्दों पर निर्णायक चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में परिवहन उद्योग की संभावनाओं एवं समस्याओं और उसकी उन्नती के लिए विशेष चर्चा रखी गई है,और अतिथियों को उसके बारे में अवगत की कराया जाएगा एवं आपस में विचार विमर्श होगा यह मौका परिवहन उद्योग से जुड़े सभी लोगों के लिए मिलन समारोह तो है ही साथ ही अपनी बातों को शीर्ष सत्ता तक पहचानें का सशक्त माध्यम भी होगा। बीओएफसी के अध्यक्ष अनिल पुसदकर महासचिव भावेश दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय पेसेंजर व्हीकल ऑपरेटर की समस्याओं के निराकरण के लिए भी फैसले हुए।

ड्रग तस्कर 'पाबलो' की 15 लाख की संपत्ति सीज

शहर सत्ता/रायपुर। नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत रायपुर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ड्रग तस्करी के मामले में दोषी रूपिंदर सिंह उर्फ पिंदर उर्फ पाबलो की करीब 15 लाख रुपए की संपत्ति को फ्रीज (सीज) कर दिया गया है। यह कार्रवाई भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के तहत SAFEMA/NDPS एक्ट के सक्षम प्राधिकारी और प्रशासक, मुंबई के आदेश पर की गई है। पुलिस के अनुसार पंजाब के तरनतारण जिले का रहने वाला रूपिंदर सिंह उर्फ पाबलो, जो अभी रायपुर के हीरापुर इलाके में रहता है, उसके खिलाफ कबीर नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट, बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। रायपुर की विशेष एनडीपीएस कोर्ट उसे दोषी ठहरा चुकी है।

एक बेहतरीन खबरनवीस को सलाम... आप, हमेशा याद रहेंगे

बेबाक पत्रकारिता के एकमात्र हस्ताक्षर थे राजीव शर्मा

शहर सत्ता/रायपुर। गोदी मीडिया कहलाने से पहले निष्पक्ष पत्रकारिता का एक सुनहरा दौर राजधानी रायपुर में भी था। जिसमें चार दशक तक अपनी बेबाक शैली, तीखे सवालों और संसदीय पत्रकारिता के चंद हस्ताक्षरों में से एक नाम स्वर्गीय राजीव शर्मा जी का भी था। नेता, मंत्री और अफसरों तक से उन्होंने पूरी निडरता से सवाल भी किए और विभिन्न संस्थानों में अपनी शर्तों में पत्रकारिता भी आखरी दम तक करते रहे। चार दशक की पत्रकारिता, उम्रजन्य दिक्कतों के बाद भी ऊर्जा से भरे पत्रकार राजीव शर्मा पत्रकारों संग यात्रा के लिए तत्पर रहते थे। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ की राजनीति और नौकरशाही को बड़े ही करीबी से उन्होंने जाना। उनकी इस विलक्षणता का लाभ नई पीढ़ी ने भरपूर उठाया। बदलते मीडिया परिवेश और पारिवारिक चुनौतियों से जूझते हुए भी उनका अंदाज़ अपने अंतिम समय तक बरक़रार रखे। दक्षिण कौसल के प्रथम दैनिक समाचार पत्र महाकौशल से उन्होंने सक्रीय पत्रकारिता की शुरुआत की। तात्कालीन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्यामाचरण शुक्ल जी पूर्व शिक्षा मंत्री सत्यनारायण शर्मा समेत कई दिग्गजों के बहुत करीबी रहे। लोकसभा समेत भोपाल में विधानसभा रिपोर्टिंग से लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा में भी उन्होंने रिपोर्टिंग की।

ऐसे दिखी सुशासन की संवेदनशीलता

पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव रायपुर प्रेस क्लब द्वारा श्री राम मंदिर वीआईपी रोड में संपन्न हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तब उदारता और संवेदनशीलता दिखाई जब उनसे मुलाकात के लिए बेकरार रायपुर प्रेस क्लब के सेवा संपादक राहुल ने इशारों में फोटो खिंचवाने और मुख्यमंत्री साय के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट की। दरअसल राहुल जन्मजात न तो बोल सकते हैं और न तो सुन सकते हैं, यह जानते ही सीएम साय ने भी सहृदयता का परिचय देते हुए राहुल के साथ बड़ी आत्मीयता से कंधे पर हाथ रखकर फोटो खिंचवाया।

रायपुर प्रेस क्लब में स्वास्थ्य शिविर का 'आभार एवं समापन समारोह' संपन्न

रामकृष्ण हॉस्पिटल में हो सकेगा पत्रकारों का रियायती दर पर इलाज

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के तत्वावधान में रायपुर प्रेस क्लब के सम्मानित सदस्यों, पत्रकार साथियों एवं उनके परिजनों के लिए आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का "आभार एवं समापन समारोह" आज रविवार को रायपुर प्रेस क्लब, मोती बाग में गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ।

रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा आयोजित इस शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप दवे उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सतीश थोरानी ने की। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के तमाम पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संदीप दवे ने पत्रकारों की सामाजिक सहभागिता और उनके कठिन कार्य परिवेश की

सराहना की। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि पत्रकारों और उनके परिवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर की अवधि को अब 30 जून 2026 तक के लिए बढ़ाया जा रहा है। पूर्व में पत्रकारों को जारी किए गए कूपन के माध्यम से वे इस विस्तारित अवधि तक अपनी निशुल्क जाँचें करवा सकेंगे।

पत्रकारों के लिए हमेशा रहेगी विशेष छूट

डॉ. संदीप दवे ने पत्रकार जगत को एक और बड़ी सौगात देते हुए घोषणा की कि शिविर समाप्त होने के बाद भी रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए विशेष रियायतें जारी रहेंगी। इसके तहत नि:शुल्क ओपीडी (OPD) की सुविधा मिलेगी। दवाइयों पर 10% की छूट प्रदान की जाएगी। हॉस्पिटल चार्ज (अस्पताल के अन्य शुल्कों) में 30% की स्थायी छूट हमेशा लागू रहेगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सतीश थोरानी और रायपुर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने इस मानवीय पहल के लिए रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल प्रबंधन और डॉ. संदीप दवे का आभार व्यक्त किया। इस शिविर से सैकड़ों पत्रकार परिवारों को सीधे तौर पर लाभ मिला है और भविष्य में मिलने वाली छूट से उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी राहत मिलेगी।

साप्ताहिक शहरसत्ता

प्रदेश के पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों को NMC की मंजूरी नहीं

250 MBBS सीटों पर लगा ब्रेक, इंफ्रास्ट्रक्चर और फैकल्टी की कमी बनी बड़ी वजह

शहरसत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित 5 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों को नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) से मान्यता नहीं मिली है। आयोग ने सभी कॉलेजों के आवेदन रिजेक्ट कर दिए हैं। इससे इस साल एमबीबीएस की 250 नई सीटें शुरू नहीं हो पाएंगी। ये मेडिकल कॉलेज कवर्धा, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़, दंतेवाड़ा और कुनकुरी में प्रस्तावित हैं। हर कॉलेज में 50-50 एमबीबीएस सीटों का प्रस्ताव था।

छात्रों को मिलता बड़ा फायदा

अगर इन कॉलेजों को मंजूरी मिल जाती तो प्रदेश में एमबीबीएस की 250 सीटें बढ़ जातीं। इससे नीट यूजी में प्रवेश के लिए प्रतिस्पर्धा कुछ कम होती और कटऑफ पर भी असर पड़ सकता था। फिलहाल छत्तीसगढ़ के 10 सरकारी और 5 निजी मेडिकल कॉलेजों में कुल 2330 एमबीबीएस सीटें हैं।

शिक्षा विभाग की तैयारी पर उठे सवाल

जानकारी के मुताबिक, नए मेडिकल कॉलेजों में जरूरी तैयारियां पूरी नहीं हो सकीं। कई जगह न पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर है, न फैकल्टी और न ही जरूरी मेडिकल सुविधाएं। इससे NMC के तय मानकों पर कॉलेज खरे नहीं उतर पाए। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार ने फिलहाल सिर्फ डीन और अस्पताल अधीक्षक की प्रभार नियुक्तियां की हैं। नियमित फैकल्टी की भर्ती नहीं हुई। जिला अस्पतालों के कुछ डॉक्टरों को असिस्टेंट प्रोफेसर और जूनियर रेजिडेंट के तौर पर पदस्थ करने के आदेश जरूर दिए गए, लेकिन यह व्यवस्था पर्याप्त नहीं मानी गई।

प्रमोशन नहीं होने से भी बढ़ी परेशानी

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में काम कर रहे कई डॉक्टर लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं। करीब 296 डॉक्टर प्रमोशन के पात्र बताए जा रहे हैं, जबकि 73 असिस्टेंट प्रोफेसरों का प्रोबेशन पीरियड भी पूरा नहीं किया गया है। अगर समय पर प्रमोशन होते तो नए कॉलेजों के लिए प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर उपलब्ध हो सकते थे, जिससे मान्यता मिलने की संभावना बढ़ जाती।

अधिकारियों का ओवर कॉन्फिडेंस पड़ा भारी

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भरोसा था कि सरकारी मेडिकल कॉलेज होने के कारण मान्यता मिल जाएगी। लेकिन NMC साल 2023 से तय पैरामीटर के आधार पर ही मंजूरी दे रहा है। इसी वजह से इस बार सभी कॉलेजों के आवेदन खारिज हो गए।

एफिलिएशन सर्टिफिकेट तक नहीं भेजा गया

जिन पांच कॉलेजों के आवेदन रिजेक्ट हुए, उनमें से दो-तीन कॉलेजों ने हेल्थ साइंस यूनिवर्सिटी का एफिलिएशन सर्टिफिकेट तक आवेदन के साथ संलग्न नहीं किया। जबकि इस दस्तावेज के बिना मेडिकल कॉलेज शुरू नहीं किया जा सकता।

मानव तस्करी की शंका पर रेस्क्यू किए गए 19 बच्चे, इनमें 16 लड़कियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से मानव तस्करी से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां काम दिलाने के बहाने नाबालिग छात्राओं और किशोरों को झारखंड से कर्नाटक ले जाया जा रहा था। हैरानी की बात यह है कि इनके परिजनों को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग, चाइल्ड लाइन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों का रेस्क्यू किया है। अब बाल कल्याण समिति पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

19 बच्चों को किया गया रेस्क्यू

अंबिकापुर के अंतरराज्यीय बस अड्डे पर एक बस से रेस्क्यू किए गए ये लड़के और लड़कियां झारखंड के रहने वाले हैं, जिन्हें काम के बहाने कर्नाटक ले जाया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रेस्क्यू किए गए 19 बच्चों में 16 लड़कियां और 3 लड़के शामिल हैं। इनमें अधिकांश नाबालिग और छात्र-छात्राएं हैं। सूचना के आधार पर विभाग ने पुलिस और चाइल्ड लाइन की मदद से बस को रोका और सभी बच्चों का रेस्क्यू किया।

परिजनों को नहीं थी जानकारी

मामले को मानव तस्करी की आशंका से जोड़कर देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अक्सर रोजगार का झांसा देकर नाबालिग लड़कियों को दूसरे राज्यों में ले जाया जाता है, जहां उन्हें बेचने या अनैतिक कार्यों में धकेलने के मामले सामने आते रहे हैं। इसी वजह से इस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जब बच्चों के परिजनों को इस घटना की जानकारी मिली तो वे अंबिकापुर पहुंचे और अपने बच्चों को वापस ले जाने की प्रक्रिया में शामिल हुए। परिजनों का कहना है कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उनके बच्चे दूसरे राज्य जा रहे हैं। उनका आरोप है कि इसी तरह कई बार बच्चों को बहला-फुसलाकर बाहर ले जाया जाता है और बाद में उनका कोई पता नहीं चल पाता। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी बच्चों और उनके परिजनों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। विभाग का कहना है कि बच्चों को कहां ले जाया जा रहा था, उन्हें कौन लेकर जा रहा था और किस काम के लिए भेजा जा रहा था, इन सभी पहलुओं की जांच सीडब्ल्यूसी द्वारा की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद प्रकरण तैयार कर पुलिस को सौंपा जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन पर रेत के अवैध भंडारण की शिकायत, 90 ट्रैक्टर और 80 हाईवा रेत जब्त

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में मिली शिकायत पर रायपुर जिले में रेत के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। खनिज और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने आरंग विकासखंड के समोदा, कुरूद, मोहमेला और कुटेला क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सरकारी जमीन पर बड़े पैमाने पर अवैध रेत भंडारण का मामला सामने आया। जांच में ग्राम कुटेला-चिखली मुख्य मार्ग के किनारे प्रस्तावित तालाब क्षेत्र की शासकीय भूमि पर बिना अनुमति के लगभग 90 ट्रैक्टर और 80 हाईवा रेत का अवैध भंडारण पाया गया। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मौजूदगी में पूरी रेत को जब्त किया गया। प्रशासन ने अवैध भंडारण स्थल तक पहुंचने वाले रैंप मार्ग को भी जेसीबी से काटकर बंद कर दिया, ताकि आगे अवैध गतिविधियां न हो सकें। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन और भंडारण में उपयोग किए जा रहे तीन वाहनों को भी जब्त कर आरंग थाना के सुपुर्द किया गया।

बलरामपुर में चूने की बोरियों के नीचे छिपा 10 करोड़ का गांजा जब्त

अंबिकापुर। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर शुक्रवार की भोर में पुलिस ने गांजा लोड 16 चक्का ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक में लगभग 20 क्विंटल गांजा भरा था। गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये है। प्रकरण में पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्कर व ट्रक मालिक उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के जरोधापाड़ा, बड़गांव निवासी लोकेश शर्मा (46) तथा उसके सहयोगी मुजफ्फरनगर के बड़ीकला, थाना छापर निवासी आमिस अंसारी (23) को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने ओडिशा के सोनपुर क्षेत्र से गांजा लोड कर जशपुर जिले के रास्ते छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया था। गांजा उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था। बलरामपुर जिले में गांजा जब्ती की अब तक की यह सबसे बड़ी कार्रवाई है।

जानकारी के अनुसार बसंतपुर थाने की पुलिस ने 29 दिसंबर 2025 को एक ट्रक से लगभग 12 क्विंटल गांजा जब्त किया था। नारियल भूसी के अंदर गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था। उक्त प्रकरण में तीन आरोपितों की गिरफ्तारी की गई थी। जांच में अंतरराज्यीय गांजा तस्कर लोकेश शर्मा का नाम सामने आया था। ट्रक भी उसी का था। बलरामपुर पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में लगी थी। आरोपित लोकेश के मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस उसकी हर गतिविधि पर नजर रख रही थी। इसके लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही थी।

लाइव लोकेशन के दौरान गुरुवार रात थाना प्रभारी बसंतपुर जितेंद्र सोनी को सूचना मिली कि आरोपित लोकेश शर्मा बनारस मार्ग से बसंतपुर की ओर बढ़ रहा है। पुलिस को गांजा तस्करी का संदेह हुआ। उत्तर प्रदेश सीमा पर बनारस मार्ग में बसंतपुर पुलिस ने थाने के सामने वाहन चेकिंग प्वाइंट लगाया। उसी दौरान ट्रक क्रमांक आरजे-14-जीयू-9078 वहां पहुंचा। ड्राइविंग सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम लोकेश शर्मा तथा सहयोगी ने आमिस अंसारी बताया। लोकेश शर्मा का नाम सामने आते ही पुलिस ने ट्रक को थाना परिसर में खड़ा किया। जांच में चूना पत्थर की बोरियों के बीच गांजा के पैकेट नजर आए। एक-एक कर सभी बोरियां नीचे उतरवाई गईं। एसपी वैभव बैंकर ने बताया कि ट्रक से 62 पैकेट में कुल 1941 किलो 100 ग्राम गांजा मिला। एक पैकेट में लगभग 30 किलो गांजा था। दोनों आरोपितों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

सीपेज से कांकेर अस्पताल की ओटी में लगा ताला, सैकड़ों ऑपरेशन अटके

शहरसत्ता/कांकेर। जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज के ऑपरेशन थियेटर में पानी के सीपेज के चलते मरीजों का ऑपरेशन बंद करना पड़ा है। तीन दिनों से ओटी में ताला लगा है। प्रबंधन अब ऑपरेशन थियेटर को नये भवन में शिफ्ट कर रहा है। लेकिन यहां पर सबसे बड़ी समस्या ऑपरेशन के लिए कतार में लगे उन सैकड़ों मरीजों को हो रही है जो दूरदराज से यहां उपचार की आस लेकर पहुंचे हैं। डॉक्टरों ने कई ऐसे मरीजों की छुट्टी कर दी है तो कई दूसरे अस्पतालों में जाकर उपचार करवा रहे हैं। पूरे मामले में मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि समय रहते ओटी कक्ष को अन्य जगह स्थानांतरित क्यों नहीं किया गया?

बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज के ऑपरेशन थियेटर में रोजाना करीब दस से बारह छोटे बड़े ऑपरेशन होते हैं, जिसमें आर्थो विभाग, नाक कान गला, सर्जरी शामिल हैं। ओटी कक्ष के ऊपर डायलिसिस सेंटर संचालित हो रहा है, जहां के पानी से रिसाव की समस्या हुई है। भवन पुराना होने के कारण भी ओटी में काफी समय से पानी का रिसाव हो रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि नया ओटी बनाने में करीब एक सप्ताह का समय लग जायेगा। ऐसे में करीब 60 से अधिक मरीजों को या तो नया ओटी बनने का इंतजार करना होगा या उन्हें दूसरे शहरों का रुख करना पड़ेगा। गरीब तबके के मरीजों को परेशान होना स्वाभाविक है। समाजसेवी पप्पू मोटवानी ने कहा कि यह गंभीर बात है, अस्पताल प्रबंधन को इस पर त्वरित संज्ञान लेना चाहिये। पप्पू मोटवानी नियमित रूप से अस्पताल में दूर दराज से पहुंचे मरीजों की समस्याओं से रूबरू होने पहुंचते हैं। मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ विमल भगत ने बताया कि अभी ओटी को नये भवन में शिफ्ट किया जा रहा है, जिसके बाद सुचारू रूप से ऑपरेशन किया जायेगा।

ऑपरेशन थियेटर मानक के अनुरूप नहीं

जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने अपना नाम नहीं बताते कहा कि ऑपरेशन थियेटर मानक के अनुरूप नहीं है, ऑपरेशन थियेटर में कई जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। जिसके चलते डॉक्टरों को कार्य के दौरान परेशान होना पड़ता है। ऐसी स्थिति में संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। मानक का पालन नहीं करने पर चिकित्सा स्टाफ के लिए भी कार्य जोखिम भरा होता है। उम्मीद की जा रही है कि नये ओटी निर्माण में मानकों का ध्यान रखा जायेगा। लेकिन यह तो निर्माण पूर्ण होने के बाद ही पता चलेगा।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

बेलगाम बिल्डर और 'रेरा' की विफलता

रायपुर में आवासीय सोसायटियों की स्थिति भयावह हो चली है। शहर की नामी सोसायटियों, जैसे सिंगापुर सिटी, मारुति लाइफस्टाइल और आनंदम के निवासियों के हालिया वीडियो गवाही दे रहे हैं कि घर खरीदार बिल्डरों के 'मायाजाल' में किस कदर फँसे हुए हैं। यह केवल कुछ सोसायटियों की समस्या नहीं है, बल्कि रायपुर के रियल एस्टेट क्षेत्र में व्याप्त उस सड़न का प्रतीक है, जहाँ बिल्डर का स्वार्थ जनहित पर भारी पड़ रहा है।

सबसे चिंताजनक बात निवासियों का क्लब हाउस और कॉमन एरिया पर बिल्डर का अवैध कब्जा है। जो स्थान निवासियों के मनोरंजन और सामुदायिक उपयोग के लिए था, उसे बिल्डरों ने अपना निजी व्यावसायिक अड्डा बना लिया है। होटल, रेस्टोरेंट और बार के जरिए की जा रही कमाई का एक हिस्सा भी निवासियों तक नहीं पहुँचता। यहाँ तक कि मेंटेनेंस के नाम पर वसूला गया पैसा भी बिल्डर के निजी लाभ में जा रहा है, जबकि बुनियादी सुविधाएं बदहाल हैं।

इस पूरी अराजकता में 'रेरा' (RERA) की भूमिका सबसे अधिक संदेहास्पद है। एक नियामकीय संस्था, जिसका गठन ही बिल्डरों की मनमानी रोकने के लिए हुआ था, आज स्वयं कटघरे में खड़ी है। पीड़ितों का आरोप है कि रेरा ने बिल्डरों के विरुद्ध कार्रवाई करने के बजाय, शिकायतकर्ताओं को ही उलझा दिया है। जब न्याय देने वाली संस्था ही बिल्डरों की 'ढाल' बन जाए, तो आम आदमी किसके पास जाए?

बिल्डरों की कार्यप्रणाली किसी 'बिग बॉस' जैसी हो गई है—जो खुद नजर नहीं आते, लेकिन सोसायटी की डोर अपनी उंगलियों पर नचाते हैं। कचरा प्रबंधन जैसी मशीनों को उखाड़कर बेचना और फिर उसी के लिए निवासियों पर पेनल्टी थोपना यह दर्शाता है कि इनकी नीयत केवल लूट की है।

समय आ गया है कि सरकार इस 'रियल एस्टेट माफिया' के खिलाफ सख्त कदम उठाए। रेरा की कार्यप्रणाली की उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए और उन तमाम सोसायटियों को तुरंत निवासियों के हवाले किया जाना चाहिए जिनका मालिकाना हक बिल्डरों ने अवैध रूप से दबा रखा है। "शहर सत्ता" प्रशासन से मांग करता है कि वह बिल्डरों की इस दलाली को बंद करे, अन्यथा रायपुर के मध्यमवर्गीय परिवारों का आशियाना खरीदने का सपना पूरी तरह चकनाचूर हो जाएगा।

ई२२श... बैरी चालान, बड़ा दुख दीन्हा...।

देवदास फिल्म का वह मशहूर गीत आजकल इस शहर के आम आदमी की जुबान पर नए अर्थों में बस गया है—"ई२२श... बैरी चालान, बड़ा दुख दीन्हा..."। परसों ही एक भाई साहब मिले। चेहरे पर ऐसा दुख था जैसे शेयर बाजार में नहीं, उनकी खुद की जिंदगी में धड़ाम से गिरावट आ गई हो। मैंने पूछा, "क्या हुआ?"

बोले, "पूछो मत। बड़ी मुश्किल से 25 हजार रुपये की न्यू ब्रांड सी दिखने वाली सेकेंड हैंड गाड़ी खरीदी थी। सोचा था अब परिवार के साथ थोड़ा आराम से घूम लेंगे।"

मैंने कहा, "फिर?"

उन्होंने लंबी सांस ली, "फिर क्या? शहर की भीड़ से भरी सड़कों पर हम भी घूम लिए। कुछ दिनों बाद गाड़ी के नाम पर चालानों का ऐसा खजाना मिला कि कुल हिसाब 50 हजार रुपये का निकला। गाड़ी 25 हजार की, चालान 50 हजार का। अब समझ नहीं आ रहा कि मैंने गाड़ी खरीदी है या कर्ज।"

उधर एक और सज्जन मिले। वे तो और भी दुखी थे। बोले, "भाई साहब, घर से सिर्फ ब्रेड लेने निकला था।"

मैंने कहा, "तो?"

बोले, "बस, गर्मी और भीड़ से भरी सड़क के कारण हेलमेट नहीं पहना था। थोड़ी-सी गलत दिशा में उस ओर गाड़ी घुमा दी जहां से अक्सर सभी जाया करते हैं। कुछ दिन बाद ई-चालान रूपी प्रेम-पत्र आया और पता चला कि पचास रुपये की ब्रेड पाँच हजार रुपये की पड़ गई है।"

मैंने पूछा, "ब्रेड खा ली?"

बोले, "ब्रेड.....उस दिन तो खा ली लेकिन, और दो दिन न खाई होती तो लोगों से पूछता भी, "भाई साहब, पाँच हजार की ब्रेड खाओगे क्या? अब कभी ब्रेड न खाने की कसम खा ली है भाई...! ब्रेड देखते ही सिर घूमता है।"

एक तीसरे भाई साहब की कहानी भी मार्मिक है। दोस्त का जन्मदिन था। सोचा शहर की मशहूर बेकरी से केक ले लेते हैं। एक शॉर्टकट रास्ता था। मन में आया—कौन पूरा चौक तक चक्कर लगाकर पेट्रोल जलाए, वैसे भी ईरान-अमेरिका युद्ध में पेट्रोल महंगा हो गया है, फिर जरा-सा तो उल्टा जाना है। सो निकल पड़े। केक खरीदा, दोस्त खुश हुआ, केक कटा। दो दिन बाद पता चला कि जन्मदिन में कैमरा महाराज भी शामिल थे। तीन सौ रुपये का केक पाँच हजार रुपये का पड़ गया। अब भाई साहब कहते हैं—दोस्ती निभाना आसान है, लेकिन शॉर्टकट निभाना बहुत महँगा पड़ता है।

दुकानदार भी दुखी है। कहता है—"साहब, मेरे माल से लोगों को उतना डर नहीं लगता, जितना मेरी दुकान तक पहुँचने वाले रास्ते से लगता है। ग्राहक पहले कीमत नहीं पूछता, यह पूछता है कि आपकी दुकान तक आने-जाने में कहीं चालान तो नहीं कटेगा। कई लोग तो सामान खरीदने का इरादा छोड़ देते हैं, क्योंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं सौ रुपये की खरीदारी हजारों रुपये की न पड़ जाए।"

अब इस शहर की 'सत्ता' बड़ी निराली हो चली है। आम आदमी सड़क पर गाड़ी नहीं चलाता, मानो बारूदी सुरंगों के बीच से गुजरता है। हर खंभे पर लगा स्पेशल कैमरा उसे किसी सरकारी शिकारी की तरह दिखाई देता है। मोबाइल पर संदेश खुलते ही दिल धक्क-सा हो जाता है।

लोग अब घर से निकलने से पहले यह सोचते हैं कि किस रास्ते से जाऊँ कि कैमरे की कृपा-दृष्टि से बचा रहूँ। पहले लोग पुलिस को देखकर रास्ता बदलते थे, अब खंभों पर लगे कैमरों को देखकर गली बदलते हैं। दफ्तर पहुँचने के बाद चिंता इस बात की सताती रहती है कि शाम तक मोबाइल पर चालान का प्रेम-पत्र न आ जाए। रात को घर लौटकर वह परिवार का हालचाल बाद में पूछता है, पहले एसएमएस चेक करता है—"कहीं यातायात विभाग ने आज फिर मेरा स्मरण तो नहीं किया?"

कॉलम - खुरचन
द्वारा- हरिदास

आखिर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट का रहस्य भी तो लोगों की समझ में आना चाहिए। यह सुरक्षा के साथ-साथ वाहन चालक और यातायात विभाग के बीच अटूट रिश्ते की आधारशिला भी है। कैमरा दूर खड़ा मुस्कुराता रहता है और नंबर प्लेट पूरी निष्ठा से अपने मालिक का परिचय देती रहती है। लोकतंत्र में आइडेंटिटी (पहचान) का विशेष महत्व है, इसलिए नागरिक की आइडेंटिटी जितनी स्पष्ट होगी, चालान भी उतना ही सटीक पहुँचेगा।

एक सज्जन ने विश्लेषण करते हुए हरिदास को बताया- "भाई साहब, कैमरे यूँ ही नहीं लगाए गए हैं। बड़े गहन अध्ययन, शोध और जन-व्यवहार के विश्लेषण के बाद उन जगहों पर लगाए गए हैं जहाँ लोगों की वर्षों पुरानी आदत है शॉर्टकट मारने की, जरा-सा उल्टा चलने की या नियमों को अपनी सुविधा के अनुसार समझने की। व्यवस्था ने सोचा होगा कि जहाँ लोग सबसे ज्यादा जाते हैं, वहीं कैमरे सबसे ज्यादा कमाल दिखाएँगे। आखिर विकास भी वहीं होना चाहिए जहाँ से सबसे ज्यादा "राजस्व" निकलने की संभावना हो। फिर 'लक्ष्य' भी तो पूरा करना है 'साहसिक अभियान' का।" लेकिन सच्चाई यह भी है कि ट्रैफिक नियम मज़ाक के लिए नहीं बने हैं। वर्षों तक हमने सुविधा के नाम पर रांग साइड चलना, हेलमेट न पहनना, कहीं भी वाहन खड़ा करना और नियमों को सलाह समझना अपनी आदत बना लिया। परिणाम सड़क पर अव्यवस्था के रूप में सामने आया। बिना सख्ती के हमारी आदतें शायद ही बदलें। जिस दिन लोग स्वयं नियमों का पालन करने लगेंगे, उस दिन कैमरे भी कम खटकेंगे और चालान भी कम आएँगे। फिर पाँच हजार रुपए की ब्रेड खाने का 'फक्र' भी न होगा। "क्यों, सच है न, भाईयों?!"

प्रारंभ हुई 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है। गु जरात के वडोदरा में भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र ने एक नए इतिहास की रचना की है। भारत में निर्मित सी-295 सैन्य परिवहन विमान सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर चुका है। यह विमान गुजरात के वडोदरा स्थित फाइनल असेंबली लाइन से उड़ान भरकर 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है। टाटा और एयरबस की साझेदारी से बने इस प्रोजेक्ट में 56 विमान बनाए जाएंगे। 'मेक इन इंडिया' की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। इसके अंतर्गत वर्तमान में यह योजना 27 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, लेकिन विमान के क्षेत्र में यह पहली बार हुआ और सरकार इसके बहाने अपना सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बनाने में सार्थक हुई। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यदि सरकार का यह कदम सार्थक सिद्ध हो गया तो निश्चित तौर पर विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बड़े स्तर पर दर्ज हो जाएगी, लेकिन सवाल यही है कि क्या एक परीक्षण से इसको सफल मान लिया जाए या अभी और प्रतीक्षा करनी चाहिए। हालांकि संबंधित अधिकारियों के अनुसार यह हर तकनीकी पहलू में पास हो चुका है, तभी इसकी सफलतापूर्वक उड़ान हुई है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस सफल परीक्षण उड़ान के बाद यह कार्यक्रम अब अपने अगले चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि इसी साल भारतीय वायुसेना को भारत में बना पहला सी-295 विमान सौंप दिया जाएगा।

भारतीय वायुसेना वर्तमान में मुख्य रूप से यूक्रेन, रूस, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, और स्वदेशी रूप से भारत में निर्मित विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करती है, जो सभी एक विशेष विमान हैं और इस श्रृंखला में सी-295 भी शामिल होने जा रहा है। यह पूरा कार्यक्रम करीब इक्कीस हजार करोड़ रुपये का है, जिसके तहत कुल सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। यह विमान भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो (एचएस-748) विमानों की जगह लेंगे, जो 1960 के दशक से सेवा में हैं। यदि यह विमान संपूर्ण रूप से वर्चस्व में आ जाता है तो देश को सालाना कई अरबों का फायदा हो सकता है। चूंकि इस तरह के विमानों को हम विदेशों से ही खरीदते हैं, जिससे कई अरब रुपये बाहर चला जाता है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

परमाणु हथियार नहीं बनाने पर ईरान राजी

तेल पर बैन से हटेगी रोक, तेहरान को 25 अरब डॉलर की राहत

ईरान और अमेरिका के बीच जारी शांति वार्ता के समझौते को लेकर कई तरह की बातें सामने आई हैं. ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि अमेरिका के साथ डील के लिए तैयार किए गए MOU के फाइनल ड्राफ्ट में कई मुद्दों को शामिल किया गया है. इनमें तेहरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम से लेकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज खोलने से जुड़ी अहम बातें शामिल हैं. दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद अगले 60 दिनों में फाइनल डील पर बातचीत की जाएगी. ईरानी अधिकारी ने बताया कि इस एमओयू में कई मुद्दों को शामिल किया गया है. इसके अलावा जानकारी सामने आई है कि ईरान ने सभी कमर्शियल जहाजों के लिए हॉर्मुज को तुरंत फिर से खोल दिया है. अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर लगी अपनी नौसैनिक नाकेबंदी भी हटा ली है.

ईरान पर कोई नया बैन नहीं लगाएगा अमेरिका

वहीं अमेरिका इस बात पर सहमत है कि जब तक कोई अंतिम समझौता नहीं होता, तबतक ईरान पर नया बैन नहीं लगाया जाएगा. अमेरिका एक निश्चित समय के लिए ईरान पर तेल से जुड़े बैन में ढील देगा. इससे तेहरान तेल बेच सकेगा. इससे कमाई कर सकेगा. अमेरिका ईरान की रुकी हुई 25 अरब डॉलर की संपत्ति जारी करने पर सहमत है. इसमें सीधे नकद ट्रांसफर, क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग और फाइनेंशियल क्रेडिट लाइन जैसे तरीके शामिल होंगे.तेहरान इस बात पर सहमत है कि वह न तो परमाणु हथियार बनाएगा, न ही हासिल करेगा. तेहरान अंतिम समझौता होने तक परमाणु मामले में मौजूदा स्थिति बनाने पर सहमत हुआ है. इसमें यूरेनियम संवर्धन न करना और परमाणु सुविधाओं का विस्तार न करना शामिल है. अमेरिका इस बात पर सहमत है कि तेहरान ईरान के भीतर अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को कम करेगा, और ऐसा करने के तरीके पर 60 दिनों के भीतर चर्चा की जाएगी.

मिडिल ईस्ट में फिर भड़का तनाव, हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर इजरायल का हमला

एक तरफ शांति वार्ता को लेकर अमेरिका और ईरान की तरफ से दावे किए जा रहे हैं, तो वहीं एक बार फिर मिडिल ईस्ट में तनाव भड़क उठा है. इजरायल ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं. अलजजीरा के मुताबिक, इजरायली सेना ने पुष्टी की है कि उसने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर सटीक हमले किए हैं. इन इलाकों को सामूहिक रूप से दहिया कहा जाता है. यह राजधानी दक्षिण में मौजूद हैं. यह हमला इसलिए अहम माना जा राह है, क्योंकि ईरान ने पहले राजधानी पर हमलों को लेकर रेड लाइन की सीमा तय की थी. उस वक्त जब इजरायल ने हमला किया तो तेहरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागकर जवाब दिया. इससे टकराव का एक और दौर शुरू हो गया. अब यह सब अचानक नहीं हुआ है. बल्कि इसके पीछे पिछले के कुछ घटनाक्रम रहे हैं. अलजजीरा के मुताबिक, बातचीत के दौरान जब अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होने वाला होता है, तो लेबनान के हालात जोखिम भरे हो जाते हैं. इससे पहले 8 अप्रैल को पहली बार सीजफायर हुआ था. वह युद्ध का अबतक का सबसे घातक दिन था. दिनभर दहिया के लोगों से बात करने पर उनकी चिंता साफ नजर आ रही है. यह भी पढ़ें 'कमर्शियल जहाजों पर कार्रवाई उचित नहीं', एस जयशंकर ने ओमान की खाड़ी में तीन भारतीयों की मौत पर मार्को रुबियो को सुनाया।

दीदी के हाथ से गई TMC? भूपेन्द्र के घर बागी सांसदों की बैठक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 15 सालों तक शासन करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हाथ से उनकी अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस अब जाते हुए दिखाई दे रही है. टीएमसी के बागी सांसदों ने रविवार (14 जून, 2026) को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के घर पर एक बैठक की है. जिसके बाद टीएमसी के बागी सांसदों में शामिल काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि हम कल सोमवार (15 जून, 2026) को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के मुलाकात करेंगे और उनसे एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग करेंगे. केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर हुई बैठक में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 14 से 15 बागी सांसदों के मौजूद होन की खबर है. इसमें सांसद काकोली घोष दस्तीदार, सयोनी घोष, माला रॉय, शताब्दी रॉय, शर्मिला सरकार, पार्था भौमिक, जगदीश बसुनिया समेत कई अन्य के नाम शामिल हैं.

PoK के नागरिकों ने मांगी पाकिस्तान से आजादी, सड़कों पर आंदोलन तेज

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में जहां एक तरफ कल पाकिस्तान और चीन के कब्जे से आजादी के नारे लगे थे तो आज प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, पीओके के प्रधानमंत्री फ़ैसल मुमताज़ राठौड़ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को कलादम यानी आतंकी बताया. साथ ही अवामी एक्शन कमेटी के नेता ने कहा कि जिन कबाइलियों ने 1947 में पीओके पर जबरन कब्जा किया था, जमीन कब्जाई थी वो भी आज पीओके के प्रदर्शनकारियों के साथ है. भीड़ को संबोधित करते हुए अवामी एक्शन कमेटी के नेता के कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है जब प्रदर्शनकारियों का साथ जम्मू, गिलगित बाल्टिस्तान और लद्दाख दे रहा है.

पाकिस्तान की क्रूर हुकूमत को चेतावनी देते हुए अवामी एक्शन कमेटी के नेता ने कहा कि ये सिंध, बलूचिस्तान, डी चौक नहीं है ये कश्मीर है जहां एक लाश गिरती है तो लाखों लोग सड़कों पर आते हैं. पीओके में पिछले मंगलवार से चल रहे प्रदर्शनों में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन क्रूर पाकिस्तानी हुकूमत और सेना के खिलाफ

अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शनकारी रावलाकोट डटे हुए हैं और पाकिस्तानी हुकूमत और सेना के खिलाफ बगावती रुख अपनाए हुए हैं. हालांकि पाकिस्तानी सेना और हुकूमत के खिलाफ बगावत में अवामी एक्शन कमेटी के नेताओं में मतभेद भी साफ नजर आ रहे हैं जहां सरदार अमान खान और ख्वाजा मेहरान खुलेआम बगावती रुख अपनाए हुए पीओके की आजादी की मांग कर रहे हैं।

NDMA ने बंद किया इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम

नई दिल्ली। देशभर में मोबाइल फोन पर इमरजेंसी अलर्ट भेजने वाली सेल ब्रॉडकास्ट सेवा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी NDMA की राज्यों को भेजी एडवाइजरी में यह फैसला सामने आया है. केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सूत्रों ने बताया है कि उन्हें NDMA की तरफ से लेटर में अलर्ट के इस्तेमाल को रोकने का बोला गया है. सेवा बंद करने की वजह अभी तक आधिकारिक तौर पर नहीं बताई गई है हालांकि संकेत दिए गए हैं कि संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर तकनीकी और परिचालन समीक्षा चल रही है. जब समीक्षा पूरी होगी और NDMA की तरफ से नए निर्देश मिलेंगे तभी सेवा बहाल होगी. सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम एक पब्लिक वार्निंग प्लेटफॉर्म है जो किसी खास भौगोलिक क्षेत्र में मौजूद सभी मोबाइल यूजर्स को एक साथ इमरजेंसी अलर्ट भेजता है. इस सिस्टम की खासियत यह है कि इसे इंटरनेट की जरूरत नहीं होती।

कोलोनियल पीरियड की चीजों को हटाकर स्वदेशी को जोड़ा, रॉयल शब्द भी हटाया

भारतीय सेना ने अपनी वर्दी में किए कई नए बदलाव

भारतीय सेना ने रविवार (14 जून, 2026) को अपने यूनिफॉर्म के नियमों में से कोलोनियल पीरियड के कई नियमों को पूरी तरह से हटा दिया है. दरअसल, यह बदलाव भारत की संप्रभु पहचान के साथ सैन्य परंपराओं को जोड़ने के एक व्यापक कोशिश के तहत किया गया है. जिसके तहत अब निरीक्षण करने वाले अधिकारियों के तलवार ले जाने की अनिवार्यता के साथ-साथ कुछ मेस ड्रेस के साथ पाउच बेल्ट के इस्तेमाल को अब खत्म कर दिया गया है. इसके अलावा, सैन्य बलों के लिए कई स्थानों पर रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल भी अब बंद कर दिया गया है. इसके स्थान पर भारतीय सेना स्वदेशी बंडी जैकेट को सिविल फॉर्मल ड्रेस के हिस्से के तौर पर पेश कर रही है.

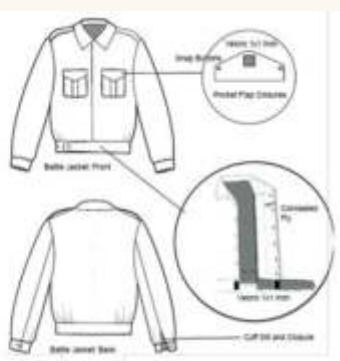

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, भारतीय सेना की ओर से यूनिफॉर्म से संबंधित किए गए व्यापक बदलाव की विस्तृत जानकारी आर्मी यूनिफॉर्म-2026 के पैम्फलेट में जारी कर दी गई है, जो सेना के ड्रेस नियमों का रेगुलेट करता है और इसके साथ सेना की तरफ से कोलोनियल पीरियड से इस्तेमाल किए जा रहे चिह्नों और शब्दावली को जानबूझकर हटाने लिए उठाए गए कदम को दर्शाता है.इन बदलावों के पीछे स्वदेशीकरण और राष्ट्रीय लोकचार के साथ अलाइनमेंट के टाइटल के साथ तर्क को स्पष्ट किया गया है. नए नियमों में यह कहा गया है कि देश की भावनाओं और विकसित संप्रभु पहचान को ध्यान में रखते हुए, सेना के यूनिफॉर्म पैम्फलेट के इस संस्करण में कई सुनियोजित सुधारों को शामिल किया गया है. भारतीय सेना की ओर से यूनिफॉर्म में किए गए बदलावों में से एक है बंद गले का कोट, जिसे आमतौर पर बंड़ी जैकेट कहा जाता है. यह एक ऐसा परिधान है, जो किसी भी पूरे बाजू के शर्ट या कुर्ता के ऊपर से पहना जाता है. इसके साथ ही इसमें मैचिंग फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूते भी शामिल हैं. यह नया ड्रेस अधिकारियों के लिए एक फॉर्मल पोशाक के रूप में जोड़ा गया है.जबकि दूसरी तरफ सेना के मेस ड्रेस नंबर 5 और 6 से अधिकारियों की तरफ से कमर में बांधा जाने वाला पाउच बेल्ट भी हटा दिया गया है.।

होर्मुज में तीन भारतीयों की मौत पर अमेरिकी बयान से भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है.उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट लिखकर अमेरिका के रवैये पर सवाल उठाए और कहा, 'इस घटना के बाद भी अमेरिका ने न तो अफसोस जताया और न ही माफी मांगी, बल्कि वह आदेश देने की भाषा का इस्तेमाल करता रहा'. राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के कुछ ही दिन बाद अमेरिका की ओर से कोई दुख या माफी व्यक्त नहीं की गई. इसके बजाय अमेरिका ने यह कहा कि अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन किया जाए और किसी भी तरह के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. राहुल गांधी ने कहा कि एक स्वतंत्र और स्वाभिमानी देश इस तरह की भाषा कभी स्वीकार नहीं करेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर चुप हैं।

गिल ने रचा इतिहास, वनडे में बनाए सबसे तेज 3,000 रन

धर्मशाला। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए पहले मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. बारिश से प्रभावित 25 ओवर के इस मैच में शुभमन गिल ने 66 गेंदों में नाबाद 84 रनों की मैच विनिंग पारी खेली. इस दमदार पारी की बदलौत शुभमन गिल वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले भारतीय बन गए हैं. उन्होंने शिखर धवन को पीछे छोड़ यह रिकॉर्ड अपने नाम किया. शुभमन गिल भारत के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने यह उपलब्धि 61वीं पारी में हासिल की. गिल ने इस मामले में भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पीछे छोड़ा. धवन ने यह मुकाम 72वीं पारी में हासिल किया था.

वर्ल्ड क्रिकेट की बात करें तो वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने के मामले में शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 61वीं पारी में तीन हजार रनों का आंकड़ा छुआ. वहीं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम आमला इस रिकॉर्ड लिस्ट में पहले नंबर पर हैं. आमला ने वनडे की 57वीं पारी में 3 हजार रन पूरे किए थे.

भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला वनडे बारिश की वजह से 25-25 ओवर का खेला गया. अफगानिस्तान ने पहले खेलने के बाद 194 रन बनाए. 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने सधी हुई शुरुआत दी. रोहित 16 रन बनाकर रन आउट हुए. इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने ईशान किशन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए महज 43 गेंदों में 70 रनों की अहम साझेदारी निभाई.ईशान 22 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए. हालांकि गिल एक छोर पर डटे रहे और टीम को जीत दिलाकर लौटे. उन्होंने 66 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 84 रन बनाए. वहीं, केएल राहुल 19 गेंदों में 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

हर दिन 100 ओवर प्रैक्टिस करता था वैभव सूर्यवंशी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी तूफानी बैटिंग से हर किसी को अपना दीवाना बना रखा है. चाहे क्रिकेट फैंस हों, या पूर्व क्रिकेटर हर कोई उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की तारीफ करते दिखता है. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती, और अब उन्हें टीम इंडिया में जगह मिल चुकी है. इस बीच उनके बचपन के कोच मनीष ओझा ने उनकी सफलता का राज खोला है.

वैभव सूर्यवंशी के बचपन के कोच मनीष ओझा के अनुसार उनके शॉट्स की यह ताकत और तकनीक छह साल की कठिन मेहनत और लगातार अभ्यास का नतीजा है. ओझा ने कहा कि वैभव रोजाना लगभग आठ घंटे अभ्यास करता था और करीब 100 ओवर तक गेंदों का सामना करता था. वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है. आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने 237 की शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए. आठ साल की उम्र से वैभव को प्रशिक्षण देने वाले कोच मनीष ओझा ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि वैभव की सफलता के पीछे कड़ी मेहनत के साथ-साथ माता-पिता संजीव और आरती का बड़ा योगदान है. उन्होंने कहा कि अब कई माता-पिता अपने छोटे बच्चों को "अगला वैभव" बनाने के उद्देश्य से अकादमियों में ला रहे हैं, लेकिन यह उतना आसान नहीं है जितना दिखता है.

जब सूर्यवंशी ने टेनिस बॉल के बजाय हार्डबॉल से खेलना शुरू किया, तो 10 साल की उम्र से लेकर अब तक उन्होंने हर दिन औसतन कितनी गेंदें खेली होंगी? ओझा का जवाब चौकाने वाला था. ओझा ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में बताया, देखिए, हम गेंदों की गिनती नहीं करते, उन्होंने कितनी गेंदें खेलीं, लेकिन मैं आपको एक न्यूनतम अनुमान बता सकता हूं कि उन्होंने 600 से अधिक गेंदें खेली होंगी. मैं आपको बताता हूँ कैसे. लगभग 200-300 गेंदों तक मैं खुद ही थ्रोडाउन देता था. जब मैं थक जाता था, तो दूसरे सहायक कर्मचारी मेरी मदद करते थे. और जब वे थक जाते थे, तो हमारी अकादमी के गेंदबाज उनकी मदद करते थे।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 3.1% की गिरावट

नई दिल्ली। पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक, दुनिया के तमाम देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं,

लेकिन भारत एक इकलौता ऐसा देश है जहां ईंधन की कीमतों में 3.1% की गिरावट आई है. केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बयान के मुताबिक, मई 2022 से मई 2026 के बीच भारत में ईंधन की कीमतों में 3.1% की गिरावट आई है. केंद्रीय मंत्री ने जारी अपने आंकड़ों से समझाया कि जहां पिछले चार सालों में पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 70% का उछाल आया है. श्रीलंका में 66% तक दाम बढ़े हैं. इटली और फ्रांस में भी क्रमश: 46% और 47% की बढ़ोतरी हुई है. अमेरिका में भी ईंधन के दाम 35% तक बढ़े हैं. वहीं, भारत में कीमतें लगातर कम हुई हैं.।

रूसी तेल को लेकर भारत ने बदला दांव, आयात ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत ने मई 2026 के दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय रिफाइनरियों ने डिस्काउंट पर उपलब्ध रूसी तेल की ज्यादा खरीदारी की, जिससे आयात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई. ये आंकड़ा पिछले करीब 10 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर बताया जा रहा है.यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बीच रूस ने एशियाई बाजारों की ओर रुख किया था. इसका सबसे ज्यादा फायदा भारत को मिला. सस्ते दाम पर तेल मिलने के कारण भारतीय कंपनियां लगातार रूस से खरीदारी बढ़ा रही हैं. मई में भी रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा. एक्सपर्ट्स के अनुसार, रूस से मिलने वाला कच्चा तेल अन्य स्रोतों की तुलना में सस्ता पड़ रहा है. इसके अलावा भारतीय रिफाइनरियों ने बढ़ती मांग को देखते हुए खरीदारी बढ़ाई है. कम लागत पर कच्चा तेल मिलने से रिफाइनिंग कंपनियों के मार्जिन में भी सुधार होता है.मई के दौरान रूस से आयात बढ़ने के कारण इराक और सऊदी अरब जैसे पारंपरिक सप्लायर्स का हिस्सा कम रहा. हालांकि, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कई देशों से तेल खरीदना जारी रखे हुए है।

तीसरे वनडे में टीम इंडिया से जुड़ेंगे हर्षित राणा

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज चल रही है, जिसका पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जा रहा है. हार्दिक पांड्या चोट के कारण पहले ही इस सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जिनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं हुआ है. इस बीच चयनकर्ताओं ने एक बड़ा फैसला लिया है और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को तीसरे वनडे से पहले चेन्नई में टीम इंडिया के साथ जुड़ने को कहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने हर्षित राणा से चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले टीम के साथ जुड़ने को कहा है. रिपोर्ट के अनुसार हर्षित हार्दिक पांड्या के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल नहीं होंगे, बल्कि ये फैसला इसलिए लिया गया है ताकि राणा इंटरनेशनल क्रिकेट के माहौल में खुद को ढाल सके. घुटने में सर्जरी के कारण राणा टी20 वर्ल्ड कप में भी नहीं खेल पाए थे, वह IPL 2026 में भी नहीं खेले थे.

गावस्कर ने भारतीय टीम के रवैये को सराहा

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने धर्मशाला में बारिश से प्रभावित पहले वनडे में अफगानिस्तान के खिलाफ मुश्किल लक्ष्य को आसानी से हासिल करने के बाद भारत के टीम को प्राथमिकता देने के रवैए की प्रशंसा करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मुकाबले को बेहद आसान बना दिया। बारिश से प्रभावित इस मैच को 25 ओवर का कर दिया गया था जिसे भारत ने सात विकेट से जीत कर तीन मैचों की सीरीज 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। गावस्कर ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय केएल राहुल ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि खिलाड़ी व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सामूहिक सफलता पर विश्वास करते हैं। गावस्कर ने कहा, जिया उर रहमान ने अपने अंतिम ओवर से पहले तीन ओवरों में सिर्फ 19 रन दिए थे। राहुल ने उस ओवर में 20 रन बनाए। तब शुभमन गिल को शतक पूरा करने के लिए 21 रन की जरूरत थी।

पूरी दुनिया में घटेगी शराब की बिक्री

भारत में क्यों बढ़ रहा है शराब का बाजार?

नई दिल्ली। एक समय था जब शराब कंपनियां अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे बड़े बाजारों पर सबसे ज्यादा निर्भर रहती थीं. लेकिन अब तस्वीर बदल रही है. दुनिया के कई बड़े देशों में शराब की खपत घटने की आशंका जताई जा रही है, जबकि भारत शराब उद्योग के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आ रहा है. मार्केट रिसर्च फर्म IWSR की रिपोर्ट के मुताबिक अगले 10 सालों में वैश्विक शराब खपत में गिरावट देखने को मिल सकती है. इसके बावजूद भारत में मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है.

शराब उद्योग के सामने कई नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं. बढ़ती महंगाई के कारण लोगों के पास खर्च करने के लिए कम पैसा बच रहा है. इसके अलावा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी तेजी से बढ़ी है, जिसके चलते कई लोग शराब का सेवन कम कर रहे हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और चीन जैसे देशों में युवा पीढ़ी पहले की तुलना में कम शराब पी रही है. यही वजह है कि आने वाले सालों में इन बाजारों में मांग कमजोर रहने की संभावना है.

भारत की कहानी पूरी तरह अलग है. यहां की युवा आबादी, बढ़ती आय और तेजी से हो रहा शहरीकरण शराब बाजार को मजबूती दे रहे हैं. जैसे-जैसे लोगों की कमाई बढ़ रही है, वो सस्ते उत्पाद की जगह प्रीमियम और ब्रांडेड शराब खरीद रहे हैं. IWSR के आंकड़ों के अनुसार भारत में कुल बेवरेज अल्कोहल की बिक्री पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ी है और आने वाले समय में ये और ज्यादा बढ़ सकती है.

शराब कंपनियों की नजर भारत पर

वैश्विक मांग कमजोर पड़ने के बीच बड़ी शराब कंपनियां भारत को अपने सबसे अहम ग्रोथ मार्केट के रूप में देख रही हैं. यही कारण है कि कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा रही हैं और प्रीमियम उत्पादों पर फोकस कर रही हैं. एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि 2032 तक भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शराब बाजार बन सकता है. यह बदलाव वैश्विक शराब उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है.भारत में शराब का बाजार बढ़ रहा है, लेकिन उद्योग के सामने कई चुनौतियां भी मौजूद हैं. अलग-अलग राज्यों के अलग नियम, ऊंचे टैक्स, लाइसेंसिंग व्यवस्था और कई तरह के नियम कंपनियों के लिए बड़ी परेशानी बनी हुई है. इसके अलावा कुछ राज्यों में शराबबंदी और सख्त नियंत्रण नीतियां भी कारोबार को प्रभावित करती हैं.

साप्ताहिक शहर सत्ता

बिजली बिल में भारी भ्रष्टाचार

उपभोक्ता को दी गई रीडिंग बिल की राशि और बिल भुगतान की राशि में भारी अंतर

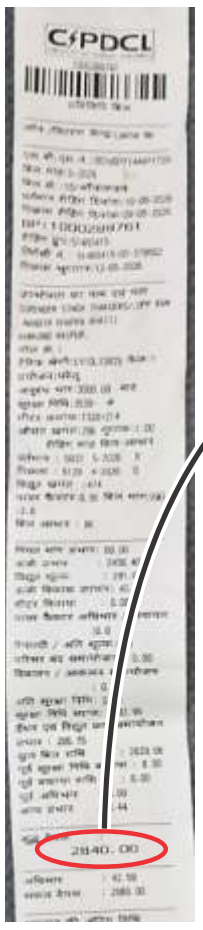

शहरसत्ता/रायपुर। बिजली बिल में भारी भ्रष्टाचार और आम जनता को गुमराह कर लूटने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बिजली विभाग स्मार्ट मीटर लगाकर आम जनता को स्मार्ट तरीके से लूट रही है।बिजली उपभोक्ताओं को बीते माह की रीडिंग बिल दिया गया है उसकी भुगतान राशि मान लीजिये 910 रु है लेकिन उपभोक्ता बिल भुगतान करने जा रहा है तो 1700 रु के करीब बिल भुगतान लिया जा रहा है जो उपभोक्ता बिजली बिल भुगतान मोर बिजली ऐप से ऑनलाइन करते है उन्हें घर में पहुँची हुई रीडिंग बिल मान लीजिये 2880 रु मिला है लेकिन मोर बिजली एप में ऑनलाइन बिल पेमेंट की राशि 4440 रु भुगतान बकाया दिखाया जा रहा है। एक उपभोक्ता को 2980 रु का बिल दिया गया लेकिन जब भुगतान करने पहुँचा तो 4740 रु मांगा गया। जबकि रीडिंग बिल एवं मोर एप में बिजली खपत बराबर है बस राशि में हजारों रुपया का अंतर है।ये तो सीधा-सीधा आम जनता को गुमराह कर लूटा जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जनता पहले ही बिजली की महंगी दर,स्मार्ट मीटर के कारण अनाप शनाप बिजली बिल, लो वोल्टेज,बिजली कटौती से परेशान है।अब बिजली कम्पनी दो तरह की बिल देकर जनता को गुमराह कर लूट रही है।पहले बिजली बिल हाफ योजना के तहत 400 यूनिट तक मिलने वाली छूट को खत्म किया गया अब बिजली बिल में लूट रहे है।इस महंगाई में जनता दोगुना बिल का भुगतान कहाँ से करेगी।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा बिजली उपभोक्ताओं को रीडिंग बिल के आधार पर बिजली का भुगतान करना चाहिए।मोर बिजली एप जो कांग्रेस सरकार के समय सुविधा के लिए जाना जाता था वर्तमान में भाजपा सरकार में लूट के लिए उपयोग किया जा रहा है।कांग्रेस मांग करती है उपभोक्ता से रीडिंग बिल के आधार पर बिल भुगतान लिया जाये।

पीएम आवास पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार, डिप्टी सीएम का दावा झूठा : कांग्रेस

शहर सत्ता/रायपुर। पीएम आवास को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र पर कांग्रेस ने सवाल उठाए। वहीं 18 लाख आवास पूर्ण होने के दावे को राजनीतिक नौटंकी बताते हुए इस मामले में श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के मुताबिक डिप्टी सीएम द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सूचना देना बताता है कि सरकार में कितना अंतद्वंद्व है। डिप्टी सीएम के तथाकथित दावे सही भी मान भी लें तो इन आवासों की स्वीकृति तो सीएम ने ही दी होगी। क्या उनका आपस में संवाद नहीं होता। ऐसे में पत्र लिखकर जानकारी देने की नौटंकी से स्पष्ट हो गया कि पीएम आवास पर डिप्टी सीएम झूठ बोल रहे हैं। संचार प्रमुख ने आरोप लगाए कि डिप्टी सीएम सिर्फ श्रेय लेने की राजनीति कर रहे हैं। वे जिन 18 लाख से ज्यादा आवास पूर्ण होने की बात कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर भूपेश सरकार ने मंजूर किए थे। साय सरकार ने गरीबों को आवास देने के नाम पर सिर्फ धोखा दिया। जो भी आवास बने और जो निर्माणाधीन हैं, वे कांग्रेस सरकार में स्वीकृत हुए थे।

गिरिराज सत्ता में बैठे हैं, उन्हें जनता की तकलीफ नहीं दिख रहीः कांग्रेस

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा मोदी सरकार के 12 साल की उपलब्धियों के बखान को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने झूठ का पुलिंदा बताया है। उन्होंने कहा, वे सत्ता में बैठे हैं, उन्हें जनता की तकलीफ नहीं दिख रही। तीन बार सरकार चलाने का अवसर मिलने के बाद भी भाजपा और मोदी देश के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने में असफल साबित हुये हैं। रोजगार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा सभी में मोदी सरकार की नीतियों ने देश को निराश किया। मोदी सरकार 12 सालों के अपने कार्यकाल में हर क्षेत्र में विफल साबित हुई।

उन्होंने कहा, ये बात पांच ट्रिलियन इकोनॉमी की करते है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय में भारत दुनिया के 10 देशों में कहीं नहीं है। डॉलर के बदले रुपये की कीमत घटती जा रही है। 1 डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95 रुपए हो गयी है। 2024 के ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 127 देशों में भारत 105 वें स्थान पर है। देश की विकास दर 6.5 से कम है, जो कोविड के बाद सबसे कम है। मेक इन इंडिया, फेक इन इंडिया साबित हुआ। व्यापार संतुलन बुरी तरह से बिगड़ा है, निर्यात घटा है और आयात पर निर्भरता बढ़ी है, घरेलू उद्योग चौपट हो गये एमएसएमई का बुरा हाल है।

12 साल में एक भी वादा पूरा नहीं

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बताये मोदी 12 साल में कितने वादे पूरे किया? मोदी ने 12 सालों के कार्यकाल में 1 भी वादे को पूरा नहीं किया। मोदी ने 12 सालों के कार्यकाल में अपने एक भी वादे को पूरा नहीं किया। कोई भी वादा तीन कार्यकाल में पूरा नहीं कर पाये। मोदी सरकार 12 सालों में नोटबंदी करके, जीएसटी लगाकर, लॉकडाउन लगाकर देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद किया। नोटबंदी करने का एक भी सार्थक कारण मोदी सरकार नहीं बता पाई, इसके कारण देश की अर्थव्यवस्था अवरुद्ध हो गयी। जीएसटी के कारण देश के छोटे और मझोले व्यवसायी सड़क पर आ गये, राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब हुई।

आदिवासी नेताओं के साथ कांग्रेस के बड़े नेताओं ने किया मंथन

आदिवासियों की जमीन बचाने कांग्रेस का राजनीतिक प्रस्ताव

शहरसत्ता/रायपुर। प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आदिवासियों की जमीन, जल, जंगल एवं खनिज संसाधनों को बचाने के लिए कांग्रेस ने राजनीतिक प्रस्ताव पारित किया है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आदिवासी नेताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने लंबा मंथन किया।

बैठक में वन अधिकार पट्टा एवं पेसा कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। आदिवासियों के भूमि अधिग्रहण से लगातार विस्थापित हो रहे आदिवासियों की सुरक्षा व समस्याओं पर चर्चा की गई। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने 12 बिंदुओं का राजनीतिक प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। पारित प्रस्ताव में कहा, हसदेव अरण्य, परसा ईस्ट केते बासन, केते एक्सटेंशन सहित नई खदानों में कोयला खनन, बैलाडीला में आयरन ओर और विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा दी गई लाखों पेड़ों की कटाई और हसदेव के 1,742 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन की अनुमति सरकार तत्काल रद्द करें। जनसंख्या के अनुपात में अनुसूचित जनजाति के लिए 32 प्रतिशत आरक्षण लागू हो। राजभवन में लंबित नवीन आरक्षण विधेयक की अधिसूचना जारी करे सरकार। वनाधिकार पट्टा आवंटित किया जाए।

राजनीतिक प्रस्ताव में कहा गया है, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संघर्ष की चपेट में आकर आम आदिवासी निर्दोष होते हुए भी नक्सली हिंसा, पुलिस कार्रवाई से दूसरे पड़ोसी राज्यों (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र) में पलायन के लिए मजबूर हुए हैं उन्हें वापस लाया जाए। नक्सल हिंसा और फर्जी एनकाउंटर में पीड़ित परिवारों को मुआवजा दे सरकार।

जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में आएंगे राहुल गांधी

शहर सत्ता/रायपुर। संगठन सृजन अभियान के माध्यम से नियुक्त किए गए छत्तीसगढ़ के सभी जिला/शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की 21 से 30 जून तक श्रीअशुतोष अलका अग्रवाल मंगल भवन, अभनपुर में 10 दिवसीय अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आने की नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी सहमति दे दी है। वे किसी एक दिन उपस्थित होकर जिलाध्यक्षों को मार्गदर्शन देंगे। एआईसीसी के प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसका पत्र पीसीसी को भेजा है। उन्होंने सभी जिला/शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों को इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित करते हुए कहा है कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी से अनुरोध किया है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रशिक्षण विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे।

स्कूलों में आरएसएस का एजेंडा न थोपा जाए : सुशील शुक्ला

शहर सत्ता/रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में बच्चों के लिए तीन विभिन्न प्रकार के मंत्र का गान अनिवार्य किया जाना बेहद ही आपत्तिजनक है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, राज्यगीत तक का गायन तो उचित है, लेकिन दीप मंत्र, सरस्वती मंत्र, भोजन के समय भोजन मंत्र इन सबकी अनिवार्यता क्यों की गयी है? सरकार स्कूलों को सरस्वती शिशु मंदिर बनाने पर तुली है। आरएसएस के एजेंडे को सरकारी स्कूलों में थोपा जाना गलत है। सरकारी स्कूलों में देश के हर धर्म, हर जाति और हर संप्रदाय के लोग पढ़ने आते हैं, हर वर्ग के पढ़ाई करते हैं। इस निर्णय से कुछ लोगों की आपत्ति होगी, उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होंगी। हिन्दुस्तान सर्वधर्म समभाव वाला देश है। संवैधानिक रूप से भारत धर्मनिरपेक्ष देश है। स्कूलों में धर्म विशेष के आधार पर शिक्षा नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आजादी के बाद से हमारी शिक्षा प्रणाली में सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार के साथ शिक्षा दी जाती रही है। सामाजिक अध्ययन, संस्कृत एवं मातृभाषा जैसे विषयों में विद्यार्थी सभी सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं का अध्ययन करते रहे है। किसी धर्म के साथ भेदभाव का अध्ययन नहीं कराया गया।

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बनाने में विफल रही भाजपा

शहर सत्ता/रायपुर। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा, 5 में से 3 कॉलेज कांग्रेस की सरकार में स्वीकृत किए गए थे। जमीन थी, मंजूरी थी, स्टाफ एलॉटमेंट था। भाजपा को कांग्रेस की विरासत में इतना कुछ मिला मगर लापरवाही में उन्होंने छत्तीसगढ़ का, छत्तीसगढ़ियों का, यहाँ के युवाओं और आदिवासियों का इतना बड़ा नुकसान करवा दिया। 500 करोड़ का ओवररेटेड टेंडर बनाया, पकड़े गए तो चुपचाप रद्द कर दिया और अंत में खाली मैदान दिखाकर स्वीकृति माँगी। मनेंद्रगढ़ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कवर्धा डिप्टी सीएम विजय शर्मा और कुनकुरी खुद सीएम विष्णु देव साय जी का विधानसभा क्षेत्र है। इन तीनों के साथ-साथ गौरेला और जांजगीर में भी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बनने थे और पाँचों जगह यह सरकार बुरी तरह विफल रही।

भाजपा के घर-घर चलो अभियान में ग्रामीणों से संवाद

शहर सत्ता/रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के गौरवमयी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'घर-घर चलो अभियान' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में धरसींवा विधानसभा के विधायक अनुज शर्मा ने क्षेत्र के ग्राम बंगोली, मोहरेंगा और बरौंडा का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से घर-घर जाकर सीधा संवाद स्थापित किया और केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार की जनहितैषी योजनाओं, ऐतिहासिक निर्णयों तथा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। विधायक ने ग्रामीणों को बताया कि कैसे आवास योजना, उज्जवला योजना और किसान सम्मान निधि जैसी नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचा रही हैं।

निवेश के लिए बिछा रेड कारपेट

इन्वेस्टर कनेक्ट में 9,580 करोड़ रुपये के मिले प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हैदराबाद में आयोजित 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रमुख कंपनियों ने 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं, जिनसे 7,800 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में छत्तीसगढ़ तेजी से उभर रहा है और राज्य में निवेशकों के लिए 'रेड कारपेट' बिछा हुआ है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन सहित दक्षिण भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और कारोबारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य को 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज निवेश के लिए देश के सबसे बेहतर राज्यों में से एक बनकर उभर रहा है। राज्य में उद्योगों के लिए आसान प्रक्रियाएं, सिंगल विंडो व्यवस्था, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और उद्योग अनुकूल नीतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद ने आईटी, फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ भी इन क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दोनों राज्यों के उद्योगपति एवं उद्यमी मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य भारत में स्थित छत्तीसगढ़ देश का सबसे उपयुक्त लॉजिस्टिक हब बनने की क्षमता रखता है। छत्तीसगढ़ सात राज्यों से घिरा हुआ है और 60 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। रेलवे नेटवर्क, भारतमाला परियोजना, एयर कार्गो सुविधाओं तथा खनिज संसाधनों की उपलब्धता उद्योगों के लिए इसे अत्यंत अनुकूल बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में ग्रीन स्टील को बढ़ावा देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल है। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

इतिहास में पहली बार रेल मानचित्र पर उभरेगा जशपुर

रायपुर। जशपुर जिले के विकास इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित किए जाने के साथ ही जशपुर को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास की नई आधारशिला है।

लगभग 291.881 किलोमीटर लंबी यह महत्वाकांक्षी रेल लाइन रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ से प्रारंभ होकर जशपुर जिले के पत्थलगांव होते हुए झारखंड के लोहरदगा तक पहुंचेगी। परियोजना के क्रियान्वयन से जशपुर जिला सीधे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा और क्षेत्र के विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकसित की जा रही आधुनिक आधारभूत संरचना तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों का परिणाम है। वर्षों से क्षेत्रवासियों द्वारा उठाई जा रही रेल संपर्क की मांग अब साकार होने की दिशा में निर्णायक चरण में पहुंच गई है। रेल मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार रेल अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के तहत सार्वजनिक हित और राष्ट्रीय अवसंरचना विकास को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को अधिसूचित किया गया है। अधिसूचना के प्रकाशन के साथ ही परियोजना औपचारिक रूप से प्रभावशील हो गई है।

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाईः कलेक्टर

रायपुर। अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक में कलेक्टर गौरव सिंह सख्त तेवर में नजर आए. बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कमजोर प्रदर्शन, फर्जी पंजीयन, नियमित कक्षाओं के अभाव और शिक्षा के नाम पर हो रही अनियमितताओं पर नाराजगी जताई. कलेक्टर ने साफ कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी विद्यालयों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी.

सरकारी स्कूलों से पीछे निजी स्कूल

कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान सामने आया कि जिले का औसत परिणाम बेहतर रहा है.कक्षा 10वीं में 71.05 प्रतिशत और कक्षा 12वीं में 84.79 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया. हालांकि कई अशासकीय विद्यालयों का प्रदर्शन शासकीय विद्यालयों से कमजोर रहा और कुछ स्कूलों के नतीजों में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट भी देखी गई. कलेक्टर ने ऐसे विद्यालयों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए.

बैठक से गायब प्राचार्यों को नोटिस

बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने वाले अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों पर भी कलेक्टर ने नाराजगी जताई. उन्होंने ऐसे प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए.कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी.

ढाई वर्षों में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं हुई सुदृढ़ : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन में शामिल होकर एनएचएम कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एनएचएम कर्मियों के 33 दिनों की हड़ताल अवधि का वेतन दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने एनएचएम कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की "रीढ़ की हड्डी" बताते हुए कहा कि प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री साय ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण में एनएचएम कर्मियों का योगदान अतुलनीय है और सरकार उनके कार्यों का सम्मान करती है।

मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा निभाई गई भूमिका को याद करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया संकट में थी, तब एनएचएम के अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा में जुटे रहे। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में स्वास्थ्य कर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश की, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आज भी प्रदेश के ऐसे क्षेत्रों में, जहां सड़कें और परिवहन सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, स्वास्थ्य कर्मी पैदल चलकर, नदी-नाले पार कर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र में संचालित "मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान" का उल्लेख करते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही है और अब तक लगभग 90 प्रतिशत आबादी की स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है।

375 वर्ष पुरानी तालपत्र पांडुलिपि सहित 38 दुर्लभ दस्तावेज चिन्हित

कबीरधाम में मिला इतिहास का अनमोल खजाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ का कबीरधाम (कवर्धा) जिला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरा है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' के तहत जिले में इतिहास, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े 38 दुर्लभ व महत्वपूर्ण प्राचीन दस्तावेजों की पहचान की गई है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान ने जिले की बौद्धिक विरासत के ऐसे अनमोल साक्ष्य उजागर किए हैं, जो मध्यभारत के इतिहास को एक नई दृष्टि प्रदान करेंगे।

तालपत्र पर बंगाली में लिखी मिली 375 साल पुरानी पाक-कला

सर्वेक्षण में मिला सबसे अनोखा और महत्वपूर्ण दस्तावेज लगभग 375 वर्ष पुरानी तालपत्र (पाम लीफ) पांडुलिपि है। बंगाली भाषा में लिखी गई यह पांडुलिपि प्राचीन पाक-कला (कुकिंग आर्ट) से संबंधित है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुर्लभ दस्तावेज उस दौर की जीवनशैली, खानपान संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को समझने का एक बेहद अहम और जीवंत स्रोत है।

श्रीमद्भगवद्गीता, गीत गोविंद और गजेंद्र मोक्ष की कॉपियां

इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण के दौरान भारतीय भक्ति साहित्य और काव्य परंपरा से जुड़ी कई अमूल्य कड़ियों की पहचान की गई है। सन 1839 की संस्कृत में लिखित गीत गोविंद की दुर्लभ पांडुलिपि। सन 1856 की हस्तलिखित श्रीमद्भगवद्गीता और गजेंद्र मोक्ष से संबंधित प्राचीन प्रतियां मिली हैं। अभिलेखीय अध्ययन और क्षेत्रीय इतिहास को खंगालने की दृष्टि से इस अभियान को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सर्वेक्षण में मध्यभारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बयां करने वाले कई महत्वपूर्ण अनुवाद हाथ लगे हैं, जिनमें रामनगर (मंडला) शिलालेख का हिंदी अनुवाद, सन 1867 में किया गया प्रसिद्ध भोरमदेव शिलालेख का अनुवाद, सन 1898 का मड़वा महल शिलालेख का पद्यात्मक (काव्य रूप) अनुवाद शामिल हैं। खगोल विज्ञान, ज्योतिष और वैदिक चिंतन को दर्शाती कई पोथियां भी इस अभियान में सामने आई हैं। इनमें ब्रह्मांड के चित्रांकन से संबंधित संस्कृत दस्तावेज और जैमिनी परंपरा की पोथियां शामिल हैं। प्राप्त दस्तावेजों में से अधिकांश कवर्धा निवासी श्री आदित्य श्रीवास्तव तथा श्री अजय कुमार चंद्रवंशी के निजी संग्रह से मिले हैं।

'लॉक अप 2' में नजर आएंगे सुनीता आहूजा से लेकर शिल्पा-शिवांगी तक

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' के लिए सुनीता आहूजा से शिल्पा-शिवांगी तक कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं. चलिए जानते हैं शो में कौन-कौन नजर आने वाला है और ये कब रिलीज होगा. रियलिटी शो 'लॉक अप 2' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है. फैंस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसी बीच अब कई सेलेब्स के भी नाम शो के लिए चर्चा में हैं. ऐसे में आइए जानते हैं कौन-कौन इस शो का हिस्सा बनने वाला है.

एकता कपूर का डिजिटल रियलिटी शो 'लॉक अप 2' पहली बार साल 2022 में रिलीज हुआ था, जहां 16 कंटेस्टेंट्स को 72 दिनों तक एक जेल जैसे सेटअप में रखा गया था. शो के पहले सीजन को कंगना रनौत ने होस्ट किया था और मुनव्वर फारुकी इसके विनर बने थे. वहीं, अब चार साल बाद अब शो का दूसरा सीजन भी रिलीज होने जा रहा है. इस बार शो को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट करेंगे. कंटेस्टेंट्स को लेकर लगातार बज बना हुआ है और इसी बीच कुछ नाम भी सामने आए हैं, जिन्हें शो के लिए कंफर्म बताया जा रहा है.

इस साल 'लॉक अप 2' में टोटल 14 सेलेब्रिटी कंटेस्टेंट्स नजर आएंगे. सूत्रों के अनुसार, इस सीजन के लिए गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा नजर आने वाली हैं. टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी का भी नाम सामने आ रहा है. वहीं एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे का नाम भी कंफर्म बताया जा रहा है. 'लॉक अप 2' के प्रोमो में होस्ट फराह खान ने इशारा दिया है कि इस बार शो में एक ऐसा सेलेब्रिटी नजर आ सकता है, जिसने हाल ही में काफी ड्रमैटिक वेट लॉस ट्रांसफॉर्मेशन किया है. इसी के बाद रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्टर राम कपूर इस रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं. इसके अलावा सूत्रों के मुताबिक, इंफ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया के नाम पर भी विचार किया जा रहा है. वहीं, शो के लिए कई और नाम भी सामने आए हैं, जिनमें स्प्लिट्सविला के योगेश रावत और अकांक्षा चौधरी, बिग बॉस के एक्स कंटेस्टेंट प्रियांक शर्मा, विकास गुप्ता, रश्मि देसाई, पुनीत सुपरस्टार, अर्चना गौतम, उर्वशी ढोलकिया, प्रणीत मोरे, आसिम रियाज, कुशा कपिला और हर्षद चोपड़ा जैसे सेलेब्स शामिल बताए जा रहे हैं. हालांकि, शो के प्रीमियर के दौरान ही फाइनल 14 कंटेस्टेंट्स के नामों से पर्दा उठेगा, लेकिन अभी सामने आए सेलेब्स की लिस्ट ने फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ा दी है. 'लॉक अप 2' 27 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है.

सुशांत की डेथ एनिवर्सरी पर बहन श्वेता हुईं इमोशनल

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को गुजरे हुए 6 साल बीत गए हैं. आज, 14 जून को उनकी छठी डेथ एनिवर्सरी है. इसी बीच उनकी बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने उन्हें याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है. श्वेता ने सुशांत की AI फोटो के साथ कुछ और फोटोज भी शेयर की हैं. साथ ही उन्होंने एक इमोशनल नोट भी लिखा है. बहन श्वेता सिंह कीर्ति अपने इंस्टाग्राम पर सुशांत सिंह राजपूत की कई फोटोज शेयर की हैं. जिसमें एक भगवान राम के रूप में AI फोटो भी शामिल है. वहीं एक फोटो में श्वेता भी उनके साथ नजर आ रही हैं. फोटोज शेयर करते हुए श्वेता ने कैप्शन में लिखा, 6 साल...समय बीत गया है, लेकिन कुछ लोग समय के साथ और भी बड़े हो जाते हैं. आज जब मैं भैया को याद करती हूं, तो उनके जाने के बारे में नहीं सोचती, बल्कि इस बारे में सोचती हूं कि उन्होंने अपनी जिंदगी कैसे जी. मुझे उनकी बच्चों जैसी जिज्ञासा याद आती है, जीवन, सितारों, ब्रह्मांड और इंसानी दिमाग के रहस्यों को जानने की उनकी चाह याद आती है. मुझे उनका वह दिल याद आता है, जो हर इंसान के साथ सम्मान से पेश आता था, चाहे वह कोई भी हो. उन्होंने हमें सिखाया कि सफलता का कोई मतलब नहीं है, अगर उसके साथ दया और इंसानियत न हो. श्वेता ने आगे लिखा कि प्यार कभी समय के बंधनों में नहीं बंधता. कोई इंसान भले ही हमारी आंखों से दूर हो जाए, लेकिन उसकी सोच, उसके संस्कार और उसका प्रभाव लोगों की जिंदगी में हमेशा बना रहता है। अपने पोस्ट के आखिर में उन्होंने लिखा कि किसी इंसान की जिंदगी को उसकी उम्र से नहीं, बल्कि इस बात से आंका जाना चाहिए कि उसने कितने लोगों को इंस्पायर किया. श्वेता ने लिखा, 'हमेशा याद किए जाएंगे.'

'कॉकटेल 2' इवेंट में बेकाबू हुई भीड़, बड़ी बहन की तरह कृति ने रश्मिका को बचाया

शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'कॉकटेल 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इन दिनों तीनों एक्टर्स फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. हाल ही में शाहिद, कृति और रश्मिका पुणे के एक मॉल में पहुंचे. इस दौरान वहां फैंस की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो देखते ही देखते बेकाबू हो गई. लोगों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई. हालात इतने बिगड़ गए कि इस इवेंट को बीच में ही रोकना पड़ा

इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में शाहिद कपूर को भीड़ के बीच से निकलने हुए देखा जा सकता है. वहीं, कृति सैनन ने बड़ी बहन की तरह रश्मिका मदांना को प्रोटेक्ट किया. वायरल क्लिप में साफ देखा जा सकता है कि कृति, रश्मिका को बेकाबू भीड़ से सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रही हैं.

इस वीडियो पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं. एक ने लिखा, 'कृति जिस तरह रश्मिका को बचा रही हैं, वो बिल्कुल एक बड़ी बहन की तरह लग रहा है.' एक यूजर लिखते हैं, 'कृति इतने अच्छे से रश्मिका का ध्यान रख रही हैं.' कई लोगों ने मॉल के सुरक्षा इंतजामों पर गुस्सा जाहिर किया है.

19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्ट होमी अदजानिया हैं. इस फिल्म में पहली बार शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की तिकड़ी नजर आएगी. ये फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. 'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है. इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी जैसे एक्टर्स नजर आए थे.

10 करोड़ में बनी 'देऊळ बंद 2' ने कमाया 550 परसेंट प्रॉफिट

मराठी फिल्म 'देऊळ बंद 2' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. फिल्म ने 550 परसेंट प्रॉफिट कमा लिया है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म किया है. आइए जानते हैं फिल्म ने कितना कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने 23वें दिन 1.27 करोड़ का कलेक्शन किया. 22वें दिन के मुकाबले फिल्म फिल्म के कलेक्शन में 49 परसेंट की जंप देखने को मिली. शुक्रवार यानी 22वें दिन फिल्म ने 85 लाख का कलेक्शन किया था. फिल्म ने टोटल 65.02 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है. फिल्म इस साल की सेकंड हाईएस्ट ग्रॉसिंग मराठी फिल्म बन गई है. पहले नंबर पर 'राजा शिवाजी' है.

बता दें कि फिल्म ने पहले हफ्ते में 30.2 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 22.4 करोड़ कमाए. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 11.15 करोड़ कमाए. 23वें दिन फिल्म ने 1.27 करोड़ कमा. बता दें कि 'देऊळ बंद 2' 2026 की सेकंड सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाली फिल्म है. कोईमोई के मुताबिक, फिल्म 10 करोड़ के बजट में बनी है और फिल्म ने 65.02 करोड़ की कमाई कर ली है. इसी के साथ फिल्म ने 550 परसेंट का प्रॉफिट कमाया. फिल्म सुपरहिट हो गई है.

पहले नंबर पर Krantijyoti Vidyalay है. ये फिल्म 4 करोड़ के बजट में बनी थी. फिल्म ने 27.35 करोड़ कमाए. फिल्म ने 583.75 परसेंट प्रॉफिट कमाया. फिल्म सुपरडुपर हिट रही. फिल्म 'देऊळ बंद 2' को नंबर

वन बनने के लिए 3.98 करोड़ की जरुरत है. जिस हिसाब से फिल्म कमाई कर रही है, जल्द ही नंबर वन पर आ जाएगी. बता दें कि 2026 में सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने के मामले में तीसरे नंबर पर Aga Aga Sunbai! Kay Mhantay Sasubai? है. ये फिल्म 3 करोड़ के बजट में बनी और 9 करोड़ की कमाई की. फिल्म ने 200 परसेंट प्रॉफिट कमाया. सुपरहिट रही.

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने दिया बेटी को जन्म

'कुबूल है' फेम एक्ट्रेस सुरभि ज्योति के घर खुशियों की किलकारी गूंजी है. वो मां बन गई हैं. सुरभि ज्योति ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है. एक्ट्रेस ने पोस्ट करके इसकी जानकारी दी. सुरभि ने पोस्ट कर बताया कि उन्होंने 13 जून को बेबी गर्ल को जन्म दिया. सुरभि ने एक पोस्ट शेयर की है. इसमें एक फूल नजर आ रहा है. फोटो पर लिखा है. 13 जून को बेटी का जन्म हुआ. प्यार सुरभि और सुमित. उन्होंने कैप्शन में लिखा- ॐ. हमारी बेटी आ गई है. हमारे दिल प्यार और आभार से भरे हैं. सुरभि की इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स प्यार लुटा रहे हैं.बता दें कि सुरभि ने 11 फरवरी को प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी. उन्होंने पति और अपने पैरों की फोटो के साथ बेबी के जूते संग फोटो शेयर की. फोटो में लिखा कि हमारी एडवेंचर जर्नी शुरू हो रही है. लिटिल लव जून में आ रहा है. इसके बाद से सुरभि ने लगातार बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज और वीडियोज शेयर किए. बता दें कि सुरभि ज्योति ने 27 अक्तूबर 2024 में शादी की थी. उन्होंने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सुमित सूरी संग शादी की.।

समृद्ध रहा सिरकट्ठी का बंदरगाह

ढालसिंह देवांगन

छत्तीसगढ़ अंचल का राजिम सांस्कृतिक पुरा वैभव से समृद्ध रहा है। यहां सिरकट्ठी का बंदरगाह 10कि मी पैरी नदी में पहली प्रस्तर काटकर चैनल निर्मित है। मानव निर्मित बंदरगाह लीलर और सिरपुर आदि स्थल पर है। यहां पर मध्य आकार के पानी जहाज के आने जाने के प्रमाण प्राप्त होते हैं। जिनसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से व्यापार मार्ग के रूप में 6 वीं सदी ई पू से यहां का व्यापारिक सम्बन्ध था, क्योंकि राजिम एक पूर्णतः विकसित और लोकप्रिय शहरीकरण के लिए प्रसिद्ध था। इसका माल सिरकट्ठी से अन्य स्थलों को आयात निर्यात किया जाता था। यहां के उत्खनन से समस्त साक्ष्य प्रमाणित करते हैं कि शहरीकरण नष्ट होने के कारण नदी के बाढ़ का बहाव है, क्योंकि यहां के संरचनाओं में बाढ़ के प्रणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। नदी की ओर प्रस्तर एवं ईंट निर्मित दीवार राजिम शहर की सुरक्षा हेतु निर्मित है। स्तम्भ, कलात्मक प्रस्तर खंड, मंदिर के ध्वसावशेष से पुनः उपयोग कर राजीव लोचन मंदिर एवं अन्य मंदिर स्थापित किए गए। लगभग 12वीं सदी में राजिम बाढ़ के प्रकोप से परेशान था, तब नदी किनारे वृक्ष एवं ईंट, पत्थर की लम्बी दीवारें खड़ी कर बाढ़ के पानी को रोकने का प्रयास किया गया। जिससे सभ्यता को क्षति पहुंचाने से बचाई गई।

ऐतिहासिक महत्व के गांवों में गौरटेक गढ़

सराईपाली से पश्चिम दिशा की ओर लगभग 10 कि मी की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग 6 के उत्तर दिशा me गौरटेक नामक प्राचीन ग्राम है। इस ग्राम में पहले भैना, कुर्मी, संवरा, गोंड जाति का निवास था। प्रतीत होता है कि पूर्व में भैना राजवंश का कोई शक्तिशाली सामंत ने इस ग्राम को अपना मुख्य केंद्र बनाया होगा। भैना शासन काल में पूरा फूलझर राज्य 18 गढ़ो में विभाजित था, जहां भैना शासक लोग शासन करते थे। इन 18 गढ़ो में से गौरटेक भी एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गढ़ रहा होगा। यह गढ़पति अपने आप में एक स्वतंत्र अस्तित्व रखते थे, किन्तु युद्ध काल में एक दूसरे का सहयोग करते थे। गोंड आक्रमण के समय इन गढ़ो में शासन करने वाले कुछ अंतिम भैना सामंत राजाओं का अल्प उल्लेख मिलता है। माना जाता है कि यहां के राजा का नाम गौरचरण अथवा गौरचंद्र रहा होगा, जो अपभ्रन्स होकर कालांतर में गौरटेक हो गया।

कान फूंक कर शिष्य बनाते गोसाई जाति के लोग

डा. पी. सी. लाल यादव

छत्तीसगढ़ में गोसाई जाति का निवास है। यह अक्सर गांव में कान फूंकते और शिष्य बनाते हैं। इनका मुख्य कार्य भिक्षा मांगना है। यह लोकगाथा और भजन गायन में निपुण होते हैं। गांव गांव घूमकर श्रवण कुमार, राजा हरिशचंद्र, राजा मोरध्वज की गाथा तम्बूरे की तान पर गाते हैं। मुख्य ताल वाद्य के लिए खंजेरी बजाते हैं। छत्तीसगढ़ में खंजेरी में गाया जाने वाला लोकप्रिय भजन -

सिरी कृष्न लाज रख मेरी
मैं सरन पड़ी हूं तेरी
दुर्योधन कपट चलाया
सब पांडव राज हराया जी
मुझे बीच सभा में घेरी
मैं सरन पड़ी हूं तेरी
दुशासन हाथ पसारे
मेरे तन से चीर उतारे जी
सब लोग खड़े चहु फेरी
मैं सरन पड़ी हूं तेरी।

नारी जीवन एक क्रांति के रूप में लोक नाट्य देवार डेरा

डॉ. राजन यादव

देवार डेरा नारी जीवन के सौंदर्य और विसंगति पर लिखी गई एक गीत कथा है, एक ऐसी कहानी जो घूंघरूओं में हंसती है, गीतों में रोती है और संगीत में सिसक उठती है। जिंदगी की हर घटना उसके जीवन तारों पर चोट करती है और वह हंसते हंसते रो पड़ती है। इसीलिए देवार डेरा नारी जीवन पर है, केंद्र पर है। गृह की ओर इस तरह समाज की चेतना का केंद्र नारी जीवन है। उस केंद्र पर क्रांति आए बिना, समाज करवट नहीं लेगा। अंधेरा, उजाला हो जाएगा, केंद्र जगमग होगा तो उसकी परिधि भी जगमगाएगी। घर, समाज, समय, सारे देश की परिधि में मिसाइली गड़गड़ाहटों से क्रांति नहीं आई। आई एक कुंठा -कौन जाने, संगीत के सुरों से शायद वह आए -एक क्रांति, एक ज्योति -स्नेह की, प्रेम की, जीवन की, उसकी गरिमा और ममता के आनंद की -इसी आशा में सर्जित है यह -देवार डेरा।

छत्तीसगढ़ी बाल साहित्य के मुखरा रूप

छत्तीसगढ़ी साहित्य के दू ठन रूप पाए जाथे पहिली मुखरा जेखर विकास लिपि के विकास के पहिली सभ्यता के विकास के संगे संग होय रिहिस, इही पाय के एकर लिखित इतिहास आजो नई मिलय। एक पीढ़ी ले दूसर पीढ़ी, एक मुंह ले दूसर मुंह बगरत मुंहखरा साहित्य बढ़त गिस। लोरी गीत घलव ह इही परंपरा के साहित्य गीत आय। छत्तीसगढ़ी लोरी के जन्म के इतिहास नई जानन। अतका कहे जा सकत हे कि सीरीफ छत्तीसगढ़ी लोरी भर नहीं भलूक संसार के पहिली महतारी हर जब अपन लइका ल भूलवारे बर, खेलाय बर, सुताये बर जौन किसम ले गुनगुनाय रिहिस होही उही हर पहिली लोरी रिहिस होही। महतारी तो जानथे कि लइका सुतही तभी तो बाढ़ही। ऐति लइका चीटिक अउ बाढ़ जाथे त ओकर बर झूलिया डारे बर परथे, झूलिया लइँका सुत जाथे, ए बेरा महतारी ह गाथे -

चन्दन के पलना रेशम के डोरी
झूलना झुलावत हे नंद के रानी
सोये हे बाल गोपाल
पड्या परय मैया देवी देवता के
आ जा निनी दाई आ जा ना ओ
जुग जुग जियत नन्दलाल
आ जा निनी दाई आ जा ना ओ।

36 वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर पुरुष एवं महिला एवं सबजूनियर बालक एवं बालिका चैम्पीयनशिप 2026

छत्तीसगढ़ ने अंतिम दिन 4 पदक जीते

छत्तीसगढ़ का गौरव और मान खेल मैदान में 36 वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर पुरुष एवं महिला एवं सबजूनियर बालक एवं बालिका चैम्पीयनशिप 2026 के अंतिम दिन K2 500 मीटर इवेंट मे महिला खिलाड़ी ने जूनिवर वर्ग में रज़त पदक प्राप्त किया जिसमें राधा, वंशिका, C2 500 मीटर इवेंट पुरुष वर्ग मे लक्ष एवं दीपक ने रज़त पदक जीता, स्वर्ण पदक का खाता तोरण साहू, लक्ष, लाइसीम्बा, सैमसंग ने C 4 सबजूनियर 200 मीटर बालक वर्ग मे जीता,K 4 200 मीटर सबजूनियर बालक वर्ग मे प्रयास प्रयाग, अजय, रेहान ने काँस्य पदक पर जीत हासिल किया।

मध्यप्रदेश 257 अंक के साथ पहले स्थान पर, केरला 103 अंकों के साथ दूसरे एवं उड़ीसा 74 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही

रायपुर। राजधानी के नया रायपुर स्थित सेंध लेक मे दिंनाक 12 जून से 14 जून तक आयोजित 36 वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंटजूनियर पुरुष एवं महिला एवं सबजूनियर बालक एबं बालिका प्रतियोगिता 2026 जो कि भारतीय कायाकिंग एंड कैनोइंग एवं छत्तीसगढ़ कायाकिंग एन्ड केनोइंग एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के संयुक्त आयोजित प्रतियोगिता के तीसरे एवं अंतिम दिन भी छत्तीसगढ़ के नाविक के नाम रहा। K2 500 मीटर इवेंट मे महिला खिलाड़ी ने जूनिवर वर्ग में रज़त पदक प्राप्त किया जिसमें राधा, वंशिका, C2 500 मीटर इवेंट पुरुष वर्ग मे लक्ष एवं दीपक ने रज़त पदक जीता, स्वर्ण पदक का खाता तोरण साहू, लक्ष, लाइसीम्बा, सैमसंग ने C 4 सबजूनियर 200 मीटर बालक वर्ग मे जीता,K 4 200 मीटर सबजूनियर बालक वर्ग मे प्रयास प्रयाग, अजय, रेहान ने काँस्य पदक पर जीत हासिल किया। टीम के कोच पिंकी साहू, अशोक साहू थे। प्रतियोगिता मे सबजूनियर एवं जूनियर वर्ग का ख़िताब मध्य प्रदेश ने 25 स्वर्ण, 18 रज़त, एवं 3 काँस्य पदक सहित दूसरा स्थान केरला 8 स्वर्ण, 9 रज़त, 6 काँस्य पदक अर्जित किया, तीसरा स्थान ओड़िसा का रहा। प्रतियोगिता मे सम्पूर्ण भारत वर्ष से 24 राज्यों के 800 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री अरुण साव, खेल मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, अध्यक्षता श्री गुरु खुशवंत सिंह साहेब,विधायक आरंग, श्री बलदेव सिंह भाटिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एन्ड कैनोयिंग एसोसिएशन, श्री प्रशांत कुशवाहा, अध्यक्ष भारतीय कायाकिंग एन्ड कैनोयिंग एसोसिएशन, एवं अध्यक्ष एसीसी, सफल आयोजन पर संघ के संयुक्त सचिव श्री प्रशांत सिंह रघुवंशी,श्री रूपेंद्र सिंह चौहान, श्री अखिलेश दुबे, श्री सुमित तिवारी, अमित तिवारी, द्रोर्ण ध्रुव, श्री प्रवीण कुमार,श्री अशोक दुबे, श्री राकेश ठाकुर,योगेंद्र साहू, ओमेश वर्मा,श्री अजय कुमार आदि का प्रयास सराहनीय है

छत्तीसगढ़ ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदक किए हासिल

रायपुर। राजधानी के नया रायपुर स्थित सेंध लेक मे दिंनाक 12 जून से 14 जून तक आयोजित 36 वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर पुरुष एवं महिला एवं सबजूनियर बालक एबं बालिका प्रतियोगिता 2026 जो कि भारतीय कायकिंग कैनोइंग एवं छत्तीसगढ़ कयाकिंग एन्ड केनोयिंग एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के संयुक्त आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के नाविक के नाम रहा 2 स्वर्णिम सफलता अर्जित की सबजूनियर बालक वर्ग मे पहला स्वर्ण दीपक एवं लक्ष्य की जोड़ी ने छत्तीसगढ़ को C-2 500 मीटर इवेंट मे दिलाया, दूसरा स्वर्ण C4 500 मीटर इवेंट मे सैमसंग, तोरण साहू, गणेश साहू, एवं लाइसीम्बा की जोड़ी स्वर्णिम सफलता दिलाई। टीम की कोच पिंकी साहू, अशोक साहू थे।

दूसरा दिन छत्तीसगढ़ के नाम रहा 2 स्वर्ण के साथ दावेदारी

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27